आज का सुविचार

मनुष्य का जीवन अत्याचार के खिलाफ लड़ने के लिए है।
- महात्मा गाँधी

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-27 भोपाल, बुधवार 08 दिसम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

ITDC पंचांग

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष
पंचमी, बुधवार 22
विक्रम, संवत 2078

ITDC मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:49/5:34
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	46 %
वायु (किमी/घं.)	13
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट ITDC

प्रति 10 ग्राम/1तोला

₹ 49,300

ITDC शेयर सूचकांक

बीएसई	57633.65	+886.51
निफ्टी	17179.20	+266.95

मप्र में फिल्मों की शूटिंग के लिए गाइडलाइन तैयार, जल्द होगी जारी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि मध्य प्रदेश में फिल्मों की शूटिंग को लेकर गृह विभाग ने गाइडलाइन तैयार कर ली है और इसे जल्द ही जारी कर दिया जाएगा। अब कलेक्टर से अनुमति लेने के बाद ही शूटिंग की जा सकेगी। कोरोना को लेकर सरकार पूरी तरह अलर्ट है और पूरी कोशिश है कि तीसरी लहर को नहीं आने दें। मध्य प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 16 नए केस आए हैं, जबकि 13 लोग स्वस्थ हुए हैं। वर्तमान में प्रदेश में कोरोना के कुल एक्टिव केस 140 और रिकवरी रेट 98.60 फीसदी है। गृहमंत्री ने कहा कि टुकड़े-टुकड़े गैंग देश में फिर से माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहा है और जेएनयू में देश? विरोधी नारे इसी क्रोनोलाजी के तहत लगे हैं। जनता की

गाढ़ी कमाई पर मुफ्त में पढ़ाई कराने वाला जेएनयू अब देश विरोधी वामपंथी विचारधारा का अड्डा बन गया है। अब इस पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

4 लोग हिरासत में

विदिशा के गंजबासौदा में मिशनरी स्कूल पर पथराव की घटना को लेकर गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि 4 लोग हिरासत में लिए गए हैं। स्थानीय पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो इसके निर्देश भी दिए गए हैं। विदेशी फंडिंग का गलत उपयोग कर धर्मांतरण कराने वाले एनजीओ और पीएफआइ जैसे संगठनों की भूमिका की पूरी जांच की जा रही है। जांच में दोषी पाए जाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पंचायत ?चुनाव को लेकर एक बार फिर कांग्रेस की दोमुंही नीति सामने आ गई है। चुनाव में हार के डर से पलायन करने के लिए कांग्रेस अब कोर्ट जा रही हैं।

कोरोना की तीसरी लहर नहीं आने देंगे

कोरोना वायरस की तीसरी लहर की आशंका को लेकर मध्य प्रदेश सरकार अलर्ट पर है। वायरस के नए वैरिएंट ओमीक्रोन के खतरे को देखते हुए सरकार तैयारियां कर रही है। मंगलवार सुबह भोपाल में नरोत्तम मिश्रा ने बताया कि पिछले 24 घंटों में 16 नए मामले सामने आए हैं। 13 लोग स्वस्थ होकर घर भी लौटे हैं। प्रदेश में एक्टिव केस की कुल संख्या 140 है और रिकवरी रेट 98.60 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी तरह सतर्क है और पूरी कोशिश है कि तीसरी लहर को नहीं आने दें।

मोदी की बीजेपी सांसदों को चेतावनी : कहा-

बदल जाइए, वरना बदल दिए जाएंगे; बच्चों जैसा बर्ताव न करें

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी की पार्लियामेंटरी पार्टी मीटिंग में मोदी ने अपने सभी सांसदों को दो-टूक नसीहत दी है। सदन से गायब रहने वाले सांसदों को उन्होंने कहा कि आप खुद को बदलिए नहीं तो हम बदलाव करेंगे। कड़े शब्दों में PM ने कहा कि अनुशासन में रहें, समय से आएं और अपनी बारी होने पर ही बोलें। साथ ही यह भी कहा कि बच्चों की तरह बर्ताव न करें।

मैं आपको बच्चों की तरह ट्रीट करूं ये मेरे लिए अच्छा नहीं

मोदी ने कहा कि संसद की कार्यवाही और बैठकों में नियमित रहें और लोगों के हित में काम करें। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए अच्छा नहीं है कि मैं आपकी अनुशासनहीनता को लेकर परेशान रहूं और आपको बच्चों की तरह ट्रीट करूं। बच्चों को भी एक ही बात कई बार कही जाए तो उन्हें पसंद नहीं आती है।

मंत्रिमंडल विस्तार के बाद ली थी मंत्रियों की क्लास

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने दूसरे कार्यकाल के सबसे बड़े मंत्रिमंडल विस्तार के अगले दिन अपने मंत्रियों से बात की थी। इस दौरान मोदी ने उन्हें कुछ सबक दिए और बताया कि उन्हें क्या करना है और क्या नहीं करना है। PM ने मंत्रियों को मीडिया में बेवजह बयानबाजी न करने की सलाह भी दी थी। उन्होंने मंत्रियों से कहा कि आपका काम चमकना चाहिए, न की आपका चेहरा। अपनी सारी ऊर्जा विभागीय काम में लगाएं। उन्होंने मंत्रियों से पूरी तैयारी के साथ संसद आने को कहा था। वहीं, सभी मंत्रियों को सुबह 9:30 बजे दफ्तर आने की सलाह भी दी थी।

सूर्य नमस्कार करने की सलाह दी:- मोदी ने सांसदों को सूर्य नमस्कार करने की सलाह देते हुए कहा कि आप सभी सूर्य नमस्कार करें और हुए संसद में अटेंडेंस की प्रतियोगिता में भाग लें। इससे आप सभी स्वस्थ रहेंगे।इससे पहले बैठक शुरू होने पर पीएम मोदी का सम्मान किया गया। यह सम्मान उन्हें 15 नवंबर (बिरसा मुंडा का जन्मदिन) को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का ऐलान करने के लिए मिला। बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, विदेश मंत्री एस जयशंकर और संसदीय कामकाज के मंत्री प्रह्लाद जोशी मौजूद थे।

आईएमए की चेतावनी-

ओमिक्रॉन को लेकर तुरंत जरूरी कदम नहीं उठाए तो खतरनाक तीसरी लहर आएगी

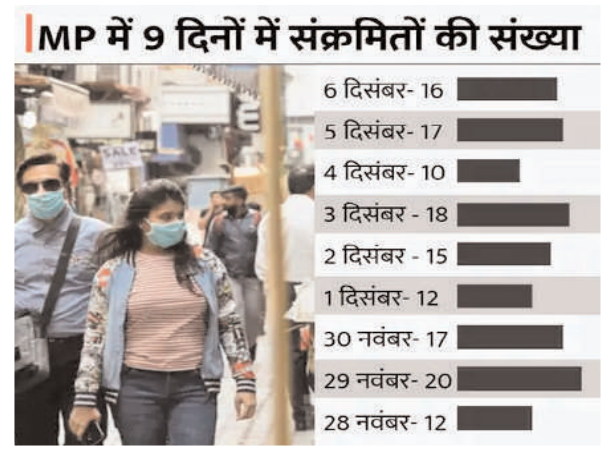

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों को लेकर चिंता जाहिर की है। IMA ने सरकार से मांग की है कि कोरोना वॉरियर्स के लिए वैक्सीन की अरिरिक्त डोज मुहैया कराई जाएं। देश में ओमिक्रॉन के अब तक 21 केस मिल चुके हैं। IMA ने कहा कि ओमिक्रॉन की संक्रमण दर काफी तेज है। समय रहते जरूरी कदम उठाने होंगे, नहीं तो कोरोना की खतरनाक तीसरी लहर आ सकती है। ओमिक्रॉन संक्रमित मिले बेंगलुरु के डॉक्टर का कोरोना टेस्ट फिर से पॉजिटिव आया है। डॉक्टर में संक्रमण की पुष्टि होने के सात दिन बाद दोबारा RT-PCR टेस्ट हुआ। अब सात दिन तक और उसे निगरानी में रखा जाएगा। इसके बाद एक बार फिर से उनकी कोरोना जांच है। RT-PCR टेस्ट रिपोर्ट निगेटिव आने पर ही उसे डिस्चार्ज किया जाएगा। मालूम हो कि कर्नाटक में ही देश के पहले दो ओमिक्रॉन केस मिले थे। मध्य प्रदेश में कोरोना के केस लगातार बढ़ रहे हैं। 24 घंटे में 16 नए पॉजिटिव मिले हैं। 10 दिन बाद इंदौर में सबसे ज्यादा 8 कोरोना केस आए हैं।

टी-20 के बाद वन-डे में भी कप्तानी करेंगे रोहित

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड टी-20 के बाद वन-डे की कप्तानी भी रोहित शर्मा को सौंपने जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर वन-डे सीरीज में रोहित शर्मा ही कप्तान होंगे। इसका आधिकारिक ऐलान भी दौरे के लिए भारतीय टीम की घोषणा के दौरान ही किया जा सकता है। न्यूज 18 ने BCCI के सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में बताया कि रोहित को वनडे की कप्तानी सौंपने की तैयारियां की जा रही हैं। भारतीय टीम को इसी महीने दक्षिण अफ्रीका जाना है, जहां टीम 3 टेस्ट, 3 वन-डे मैच खेलेगी।

कांग्रेस की रैली पर रोक की याचिका हाईकोर्ट में खारिज

जयपुर। जयपुर में 12 दिसंबर को महंगाई के खिलाफ होने वाली कांग्रेस की राष्ट्रीय रैली को चुनौती देती याचिका को राजस्थान हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। चीफ जस्टिस अकील कुरैशी और जस्टिस उमाशंकर व्यास की डिवीजन बेंच ने राजेश मूथा की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। इसके बाद कांग्रेस ने अपनी रैली की तैयारियां तेज कर दी हैं।

सफदरजंग अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल से लोग परेशान

नई दिल्ली। दिल्ली में सफदरजंग अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टर मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं। इस दौरान आपातकालीन सेवाएं बाधित होने से इलाज के लिए आए लोग परेशान हो रहे हैं। एक महिला ने बताया- %मैं अपने बच्चे के इलाज के लिए आई थीं। डॉक्टर कह रहे हैं कि पर्ची नहीं बनेगी। क्या करें? अब हम घर जाएंगे।

संयुक्त किसान मोर्चा की अहम बैठक दिल्ली-हरियाणा के सिंघु बॉर्डर पर कजारिया कार्यालय में जारी है। इस बैठक में देशभर के किसान संगठनों के नेता शामिल हैं। सरकार द्वारा अभी तक किसानों की पांच सदस्य कमेटी से कोई संपर्क नहीं किए जाने के कारण यह मीटिंग बुलाई गई है।

इस्लाम पर रिजवी के तीखे बोल:हिंदू बनने के बाद कहा- इस्लाम में किसी का सिर काटना सही है, लेकिन यह इंसानियत के खिलाफ

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश शिया वक्फ बोर्ड के पूर्व चेयरमैन सैयद वसीम रिजवी ने सोमवार को अचानक गाजियाबाद में इस्लाम छोड़ सनातन धर्म कबूल कर लिया। उन्होंने अपना नाम बदलकर जितेंद्र नारायण सिंह त्यागी रख लिया है। सनातन धर्म स्वीकार करने के 5 घंटे बाद वसीम रिजवी (अब जितेंद्र नारायण सिंह) त्यागी ने दैनिक भास्कर से हर मुद्दे पर खुलकर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस्लाम में किसी का सिर कलम करना जायज है, लेकिन हकीकत में यह इंसानियत के खिलाफ है।

सवाल: आखिर इस्लाम धर्म में आपको किस तरह की बुराइयां दिखीं?

जवाब: इस्लाम में कोई अच्छाई है ही नहीं। अब तो उसको बदलना पड़ेगा। हाल

मेरे परिवार के लोग को भी इस्लाम छोड़ देना चाहिए। ऐसा नहीं हुआ तो मैं उनका त्याग करने को तैयार हूं।

जितेंद्र नारायण सिंह त्यागी (पहले वसीम रिजवी)

ही में पाकिस्तान में श्रीलंका के एक अधिकारी को बीच सड़क पर मारा गया और वहां एक मजहब के लोग उसके जलते शरीर के साथ फोटो खिंचवा रहे थे। ये इंसानियत के लिए बेहद शर्मनाक बात है। मजहब केवल प्यार सिखाता है। दुनिया का सबसे पहला धर्म सनातन ही है। अब सनातन मेरा धर्म है। इसके लिए त्याग करना ही मकसद है और मैं मानव सेवा के लिए ये करता रहूंगा।

सवाल: धर्म परिवर्तन का ख्याल क्यों आया? इस्लाम से क्या दिक्कत थी?

जवाब: मैंने इस्लाम धर्म को छोड़ा नहीं है। मुझे तो वहां से निकाला गया है। हम तो इस्लाम को बदलना चाहते थे। जो इस्लाम को मानने वाले हैं, जो कुरान को अल्लाह की किताब कह रहे हैं, वे गलत हैं। कुरान के अनुसार, एक व्यक्ति दूसरे का सिर काटता है तो वह धर्म के आधार पर सही है, लेकिन इंसानियत के खिलाफ है। मुझे इस्लाम से निकाला गया, क्योंकि मैंने राम जन्मभूमि पर बोला। मोहम्मद के बारे में मैंने कहा कि वे अल्लाह के मैसेंजर नहीं हैं, वे एक अहंकारी व्यक्ति थे। आज दुनिया में इस्लाम आतंक के नाम से पहचाना जाता है। इस्लाम का दूसरा नाम ही आतंक है। इस आतंक की शुरुआत 1400 साल पहले मोहम्मद ने अरब के रेगिस्तान में की थी। अब मैं सनातन धर्म में आ गया हूं और अब यही रहूंगा और मरूंगा भी यहीं।

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

आईटीडीसी
Classifieds
वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

For Sale 1800 Sqft Plot @ Crystal Smart City & 3BHK Flat 1800 sqft @ Rudraksh Phase-1, Bawadiyakalan. Chugh Syndicate Property Pvt. Ltd. 32, Zone-1, M.P. Nagar ,- 7000122016, 9425666664

नए भोपाल की प्राइम लोकेशन बावड़िया कला, मिसरोद, गुलमोहर, शाहपुरा, होशंगाबाद रोड, दानिश नगर, कोलार में प्रोपटी खरीदने/ बेचने हेतु संपर्क करे सुपर प्रोपटी -8871551117

बेचना है कोलार मेंन रोड जानकी अपार्टमेंट कवर्ड केंपस में फर्स्ट फ्लोर पर बड़ा फ्लेट 3 बैडरूम, एक हाल, दो बालकनी, दो लेटबाथ, पार्किंग, संपर्क- 7974670574

नए भोपाल में स्थित सभी प्रकार की रेसीडेंशियल/कमर्शियल/इंडस्ट्रियल प्रोपटी/ वेयर हॉउस खरीदने-बेचने व रेंटल सर्विस हेतु संपर्क करे:- अनिल प्रोपटीज अरेरा कॉलोनी मो. 9893164317

2 BHK Flat For Sale 800 sqft 1st Floor 24 hrs Water electricity Parking prime location of saket nagar 9A near AIIMS hospital price 25 lakh – 70007509

For sale 968/1452/4305 Sqft Plots at Misrod Phase 1-2 3 BHK Flat 1417 Sqft For Sale at Coral Woods Hoshangabad road. Chugh Syndicate Property Pvt. Ltd. – 7000122016, 9425666664

शीघ्र बेचना है 2बीएचके पेंटहाउस 110sqft बिल्डअप,1000sqft ओपन टेरेस के साथ कवर्ड केम्पस बावडिया कला के पास, दानिश चोराहा, कीमत 34.96 लाख. संपर्क 9039059071, 9285559071

बंगला बेचना है E-8 बावडियाकला प्राइम लोकेशन नियम महेन्द्रा पेट्रोलपम्प, 1 होल 5 बेडरूम 5 बाथरूम 1000 प्लाट पर, कार्नर, एमपल हाइट्स लगा, 9893128244, 9893847026

बेचना बिला 3BHK प्लाट साईंज 1500 वर्गफीट पर डेम एवं रिवर व्युके साथ कवर्ड केम्पस में कोलार रोड़ बीमाकुंज के पास संपर्क 9754330676, 9111013116

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

For Rent 2bhk fully furnished in Gulmohar Colony Rent 15000/- Contact @ 8962643902

E-3/258 अरेरा कोलोनी में ग्राउंड फ्लोर पर 2BHK, 1BHK अलग–अलग फेमिली हेतु किराये से देना है संपर्क:- 7000735468, 9425601374(कावलकर)

किराये से -3 B H K फ्लेट Lakeview प्राइम लोकेशन Kohefiza में लिफ्ट, पानी, पार्किंग, किचिन, सर्व सुविधालयुक्त, 8817437959

४BHK platinum Plaza माता मंदिर, Orange 64, 5th फ्लोट, लिफ्ट सुविधा बैंक या शासकीय कर्मचारी की प्राथमिक, संपर्क करे 9893303141

किराये से देना है प्रथम मंजिल पर होल करीब 2500 वर्गफीट सराफा बाजार बेरागढ़ में जिम, कोचिंग हेतु उपुक्त 9303132326, 7374498931

MAHADEV PROPERTY CONSULTANT:WE Require 1200/2100 sqft Commerical and 1000/1200/1500/2100sqft Residential Plot in Danishkunj and 1000/1500/2100sqft Residential Plot in danishhills, 9425008779

१st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

For Rent Available 10no. main market, Arera colony, near SBL Main Road Front Ground Floor Showroom 756sqft Contact – 9893022224

३BHK Semi furnished Corner flat for rent in E-8 Ext. Bawadia kalan Near aura mall secured campus with all morden amenities 9826974630

To-Let 2 BHK semi furnished flat at 5th floor 24 hrs security at mahadev Aparthment opp board office MP nagar 8889996171

ITDC JOB आवश्यकता

NETBOON Pvt Ltd leading E-commerce Organization in Jawahar Chowk Bhopal urgent hiring for Photoshop Editors-3, Web Content Writers-5, Online Sales telecalling Executives-5, must be fluent in English, Contact HR Dept- 9755065290, 9893014112

आवश्यकता 12वी/ ग्रेजुएट लड़के लडकियों भोपाल इंदौर जबलपुर कंप्यूटर ऑपरेटर हिंदी इंग्लिश टाइपिंग, एडमिन पियून, ड्राइवर, गार्ड, गार्डनर टेली कॉलिंग, बैक ऑफिस मार्केटिंग 9171334247 , 9425439035

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x **10**cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLENCE
8cms(W) x **10**cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x **10**cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC JOB आवश्यकता

Required School Development Manager (Sales) on Fixed & Incentive basis. Location– Guna, Rajgharh, Sehore, Vidisha & Bhopal. call or what's app at 8850388123

आवश्यकता है छोटे परिवार के लिए भोजन बनाने हेतु अनुभवी महिला कुक की. जो घर के सभी कार्य करने में दक्ष हो. वेतन योग्यतानुसार. संपर्क चूना भट्टी, वलमी रोड, भोपाल 9302447796

ऑफिस कार्य हेतु एजुकेटेड युवती की आवश्यकता है , वेतन 10 से 15000/- संपर्क समय दोपहर 1 से 5 तक, ऑफिस- एम.पी. नगर जोन-1 भोपाल, 9109528142

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क D K 3 / 1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

Shop for Sale:
Inside Complex,
10x11 fts,
ground floor,
DIG Bungalow,
Berasia Road,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

To let Shop:
Inside Complex,
10x14 fts,
ground floor,
Arera Colony,
10 No Market,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

खबर की खबर

कब मिलेगा देश को दलित खरबपति उद्योगपति भी

याद रख लें कि भारत अपने को पूर्ण रूप से विकसित होने का दावा उस दिन ही कर सकेगा जब हमारे यहां होंगे हजारों की संख्या में दलित उद्योगपति/आंत्रप्योनर। हमारे यहां वैसे तो दलित राष्ट्रपति, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्री वगैरह बन ही चुके हैं। विज्ञान, शिक्षा, खेल वगैरह की दुनिया में भी दलित समाज से संबंध रखने वाले नौजवान बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन, अभी भी हमें अरबपति-खरबपति दलित उद्यमियों के सामने आने का इंतजार है।

अच्छी बात यह है कि दलित नौजवान कारोबार की दुनिया में अपने लिए अब जगह बनाने लगे हैं। उन्हें मोदी सरकार की खुली अर्थव्यवस्था में भरपूर अवसर मिल रहे हैं। वे उसका लाभ लेकर अब नौकरी मांगने के स्थान पर नौकरी देने लगे हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि आने वाले समय में हमें कोई अरबपति दलित उद्यमी भी मिल ही जाएगा। वैसे यह सामान्य बात तो नहीं है।

जिस समाज का सदियों तक शोषण ही हुआ हो उसने बिजनेस जैसे प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में अब अपनी इबारत लिखनी चालू कर दी। आगरा के रहने वाले रवीश पीपल उन दलित उद्यमियों में हैं जो नौजवानों के लिए प्रेरणा बन रहे हैं। वे रोजगार दे रहे हैं। रवीश फुटवियर बिजनेस से जुड़े हैं। उन्हें दुनिया भर की फुटवियर कंपनियां अपनी मांग के अनुसार माल बनाने का ऑर्डर देती हैं। रवीश पीपल भारत के फुटवियर उत्पादकों को डिजाइन, तकनीकी और मार्केटिंग की सलाह देते हुए उन कंपनियों को माल की सप्लाई करते हैं जहां से उन्हें ऑर्डर मिलता है। उनकी कंपनी में सभी जातियों के मुलाजिम हैं। वहां सिर्फ मेरिट के आधार पर नौकरी मिलती है।

यकीन मानिए कि दलित महिलाएं भी अब उद्यमी बन रही हैं। मुंबई की कल्पना सरोज का उदाहरण लीजिए। मुझे उनकी संघर्ष भरी कहानी बहुत प्रभावित करती है। वो कमानी ट्यूब्स की अध्यक्षा हैं। वे कहती हैं कि मोदी सरकार की उदार आर्थिक नीति से उन्हें लाभ मिला है। सरोज 1980 के दशक में अकोला से मुंबई आ गईं। तब तक आर्थिक उदारीकरण आने में कुछ साल शेष थे। सरोज मुंबई में दर्जी का काम करके रोजाना छोटी-सी रकम कमाने लगी। फिर उन्होंने बैंक लोन लेकर फर्नीचर की दुकान शुरू कर दी। यहां भी काम चला तो सरोज ने 1997 में मुंबई में एक जमीन खरीदी। साल 2000 में उन्होंने अपनी इमारत बेच दी। इससे उनकी छवि ऐसी महिला की बन गयी जो मुंबई में अपने दम पर कुछ कर सकती है। सरोज ने साल 2006 में ट्यूब बनाने वाली कंपनी कमानी ट्यूब की कमान संभाली, जो दिवालिया होने के कगार पर थी। अब उनकी कंपनी मुनाफा कमा रही है।

दलित उद्यमियों की बिजनेस के संसार में सफलता का श्रेय आउटसोर्सिंग को दिया जा रहा है। इसके चलते उद्यमिता का विस्फोट हुआ है, जिसमें दलितों को भी लाभ हुआ है। खुदरा बाजार में एफडीआई का दलित उद्यमियों के उभरते वर्ग पर' सकारात्मक असर हो रहा है। शिक्षित हो गए दलितों के लिए बिजनेस में अपार संभावनाएं लगातार बन रही हैं।

सच्चाई तो यह है कि देश में सरकारी नौकरियां तेजी से हर वर्ष घटती जा रही है। केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, बैंकों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में सभी जगह नौकरियां तेजी से घट रही हैं। दूसरी बात यह भी है कि जिन कारणों के चलते नौजवान सरकारी नौकरियों की तरफ आकर्षित होते थे, वह अब नहीं रहे। जैसे कि सरकारी नौकरियों में अब पेंशन नहीं रही। भ्रष्टाचार पर भी शिकंजा कसता जा रहा है। फिर किस बात के लिए इन्हें पाने को मारामारी की जाए।

आज सरकारी नौकरियां भी काफी बड़े स्तर पर अनुबंध पर ही मिलती हैं। इस वजह से भी बहुत सारे नौजवान, जिनमें अधिकांश दलित-पिछड़े समाज से आते हैं, उन्होंने अपना कोई बिजनेस करने का मन बना लिया है। यह एक सुखद स्थिति है। बहुत सारे नौजवान आउट सोर्सिंग के जरिए भी ठीक-ठाक पैसा कमा रहे हैं। दलित नौजवानों को भी लग रहा है कि वे आरक्षण के सहारे पूरी जिंदगी तो नहीं गुजार सकते। इसलिए दलित नौजवानों ने स्वरोजगार की ठोस पहल की है।

राजीव केन दलित समाज से आते हैं, जिन्हें लगा कि वे नौकरी के सहारे नहीं रह सकते। उन्होंने अपने बचपन में पिता के साथ मिलकर ईस्ट दिल्ली में स्कूटर मैकेनिक का काम किया है। कड़ी मेहनत और संघर्ष किया। इस काम में विशेषज्ञता हासिल करने के बाद राजीव केन ने लंबी छलांग लगाई। उन्होंने नोएडा में इलेक्ट्रिक स्कूटर और मोटर साइकिल का निर्माण करने वाली इकाई स्थापित की। उन्हें इस बाबत आसानी से लोन मिल भी गया। अब उनकी कंपनी के देशभर में डीलर हैं। उनका कामकाज बेहतरीन ढंग से चल रहा है। वे मानते हैं कि पेट्रोल-डीजल की निरंतर बढ़ने वाली कीमतों को देखते हुए आने वाला समय इलेक्ट्रिक स्कूटर, मोटर साइकिल और कारों का ही होगा।

बाबा साहेब अंबेडकर के गृह प्रदेश महाराष्ट्र में हजारों दलित नौजवान सफल उद्यमी बन चुके हैं। उनका जीवन स्तर भी तेजी से बदल रहा है। वे सिर्फ नौकरी से लेकर शिक्षण संस्थानों में अपने लिए आरक्षण भर की ख्वाहिश नहीं रखते। वे बिजनेस की दुनिया में अपनी जगह बना रहे हैं। अफसोस कि उत्तर भारत के मायावती और अखिलेश यादव जैसे घनघोर जातिवादी नेता दलित और पिछड़ी जातियों से आने वाले युवाओं को आरक्षण जैसे सवालों में ही उलझा कर रखना चाहते हैं। हालांकि उनकी पकड़ भी अब कमजोर होती चली जा रही है।

बेशक, कोई भी समाज जो कठिन दौर से गुजरता है, संघर्ष करता है, आगे चलकर तो तरक्की ही करता है। मारवाड़ियों को ही लें। ये राजस्थान-गुजरात की सूखी और बंजर धरती और मरुस्थल में पैदा हुए। अब देश के अनेकों बड़े उद्योगपति मारवाड़ी समाज से ही आते हैं। पारसियों को देखिए जो ईरान से भागकर आए, सिंधी जो सिंध छोड़कर आए। इन सबने विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष किया और संपन्न बने। देश विभाजन ने हजारों नौजवानों को आंत्रप्योनर बनाया था।

न्यूज ब्रीफ

टोयोटा किर्लोस्कर का कर्नाटक बैंक के साथ वित्तपोषण करार

नई दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने देश भर में अपने वाहनों के वित्तपोषण के लिए कर्नाटक बैंक के साथ साझेदारी की है। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि वाहनों के खरीदारों को वित्तपोषण के लिए कर्नाटक बैंक के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके बाद कर्नाटक बैंक टीकेएम के वाहनों की खरीद के समय वित्तपोषण मुहैया कराने वाला तरजीही कर्जदाता बन जाएगा। टीकेएम के उपाध्यक्ष (रणनीतिक कारोबार) आर वेंकटकृष्णन ने कहा कि इस समझौते के बाद कंपनी के वाहनों के निजी एवं वाणिज्यिक खरीद के समय ग्राहकों को प्रतिस्पर्द्धी दरों पर वित्त मिल सकेगा। इससे ग्रामीण बाजार में भी कंपनी को अपनी मौजूदगी सुधारने में मदद मिलने की उम्मीद है। वहीं कर्नाटक बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी महाबलेश्वर एम एस ने कहा कि ग्राहकों को टोयोटा के वाहन खरीदते समय डिजिटल मंच पर कर्ज लेने में काफी सहूलियत मिलेगी।

टाटा पावर का आईआईटी मद्रास के साथ साझेदारी का समझौता

नई दिल्ली। ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी टाटा पावर ने शोध एवं विकास कंपनी की तरफ से जारी एक बयान के मुताबिक आईआईटी मद्रास के साथ भागीदारी के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके तहत भविष्य की प्रौद्योगिकी से संबंधित क्षेत्रों में दोनों पक्ष मिलकर उन्नत अनुसंधान कार्य करेंगे। इसके अलावा आईआईटी मद्रास से पढ़कर निकलने वाले छात्रों को टाटा पावर में रोजगार के अवसर भी मुहैया कराए जाएंगे। टाटा पावर के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ प्रवीर सिन्हा ने कहा, हम टिकाऊ बदलावों के लिए साथ मिलकर उन्नत प्रौद्योगिकी, नवाचार एवं ज्ञान के क्षेत्रों में काम करेंगे। देश के कुछ बेहद प्रतिभाशाली लोगों के साथ काम करने का हमें इंतजार है। टाटा पावर पिछले कुछ वर्षों में स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में कम लागत वाले समाधानों के विकास के लिए 100 से अधिक संस्थानों के साथ साझेदारी कर चुकी है।

दिल्ली हवाईअड्डे पर दिक्कतों के रोड़े

नई दिल्ली। हवाईअड्डे पर शनिवार को अधिक भीड़ बढने की शिकायतों के बाद दिल्ली हवाई अड्डा, आव्रजन अधिकारियों के साथ बैठक कर रहा है और इंतजार करने वाले यात्रियों के बैठने की क्षमता का विस्तार किया जा रहा है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय हालात की निगरानी कर रहा है और ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को बैठक कर स्थिति की समीक्षा की क्योंकि यात्रियों ने जांच और आव्रजन के लिए लंबे इंतजार वाली तस्वीरें डाली थीं। मंत्रालय के अधिकारी, भारतीय हवाईअड्डा प्राधिकरण और ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी के अधिकारी नई प्रक्रिया के क्रियान्वयन, अतिरिक्त जांच काउंटर, मनी एक्सचेंज बूथ आदि की निगरानी कर रहे हैं। एक सरकारी सूत्र ने कहा कि कई उड़ानों के एक साथ होने तथा अतिरिक्त स्वास्थ्य प्रक्रियाओं की वजह से आव्रजन क्षेत्र में काफी भीड़ थी। इससे बचने के लिए अतिरिक्त लोगों की सेवाएं ली जा रही हैं। दिल्ली हवाईअड्डे के एक प्रवक्ता ने कहा कि ऑपरेटर लगातार बुनियादी ढांचे और प्रक्रियाओं में वृद्धि कर, नए प्रबंधन के तहत जोखिम वाले देशों से आने वाले यात्रियों की जांच के नए मापदंड बना रहे हैं। दिल्ली इंटरनैशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) के मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) विदेह कुमार जयपुरियार का कहना है, हवाईअड्डे पर आने के साथ ही जांच कराने के लिए पहले से बुकिंग करने वाले यात्रियों की संख्या हर दिन बढ़ रही है। इसके अलावा, अधिक से अधिक यात्री नियमित आरटी पीसीआर के मुकाबले रैपिड पीसीआर जांच का विकल्प चुन रहे हैं। हमारे पास 120 रैपिड पीसीआर जांच मशीनें लगाई गई हैं और इसमें 20 काउंटर उन यात्रियों के लिए हैं जिन्होंने जांच की बुकिंग पहले ही कर रखी है। प्रतीक्षा समय कम करने के लिए जांच जल्दी पूरा करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हवाईअड्डा आव्रजन अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है ताकि यात्रियों की तेजी से आवाजाही हो सकेगी।

फॉक्सवैगन टाइगन फेसलिफ्ट लॉन्च:रियर बंपर के नीचे पैर हिलाते ही कार का बूट खुल जाएगा, कीमत 31.99 लाख रुपए; जीप कंपस से होगा मुकाबला

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

नई फॉक्सवैगन टाइगुन को भारत में लॉन्च कर दिया गया है, इस कार को 31.99 लाख रुपए की इंट्रोडक्टरी कीमत पर लाया गया है। नई फॉक्सवैगन टाइगुन का प्रोडक्शन शुरू हो गया है और अब बुकिंग भी शुरू हो गई है। इस कार को 2.0-लीटर इंजन के ऑप्शन में लाया गया है, साथ ही नई टेक्नोलॉजी, मॉडर्न फीचर्स व सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं। ऑटोमैटिक टेलगेट रिलीज फंक्शन के साथ 615 लीटर का बड़ा बूट-स्पेस मिलेगा, जिसे रियर बंपर के नीचे अपने पैरों को हिलाकर बूट को खोला जा सकता है। इसकी टेस्ट ड्राइव 10 दिसंबर से शुरू होने वाली है। सबसे पहले इसे टेस्ट ड्राइव के लिए दिल्ली, मुंबई व बेंगलुरु में उपलब्ध कराया जाएगा और इसके बाद अन्य शहरों में लाया जाएगा। वहीं जल्द ही इसे देश भर के डीलर शिप में पहुंचाना शुरू किया जाएगा और इसकी डिलीवरी जनवरी के मध्य में शुरू की जाएगी। कंपनी इस कार को कुल 7 कलर ऑप्शन में उपलब्ध करा रही है, साथ ही 4 एवर केयर पैकेज स्टैण्डर्ड रूप से दिया जा रहा है।

नई फॉक्सवैगन टाइगुन डिजाइन

डिजाइन की बात करें तो, 2021 फॉक्सवैगन टाइगुन दूसरे मॉडलों की तरह एक फ्रेश स्टाइल के साथ आती है। इसमें क्रोम एम्बेलिशमेंट के साथ री-डिजाइन फ्रंट ग्रिल, स्लिश्ष्ठ मैट्रिक्स हेडलैंप, स्लिश्ष्ठ डे-टाइम रनिंग लाइट के साथ-साथ अपडेटेड बम्पर हाउसिंग और ट्राइएंगल फॉग लैंप मिलते हैं। इसमें स्लिश्ष्ठ लाइटिंग आगे व पीछे दी गई है। इसके साइड हिस्से में शार्प लाइन दिए गए हैं, जो इसे और भी अट्रैक्टिव लुक देता है। इसमें 18 इंच के अलॉय व्हील्स लगाए गए हैं, इसे रफ रोड पैकेज के साथ भी लाया गया है ताकि ऑफ रोड के चाहने वालों को भी यह पसंद आए। पैर हिलाकर इसके बूट को खोला जा सकता है ऐसे में इसमें सामान रखना और भी आसान हो जाता है।

नई फॉक्सवैगन टाइगुन इंटीरियर व फीचर्स

नई टाइगुन के इंटीरियर में वर्चुअल कॉकपिट, वियना लेदर सीट्स, 30 शेड्स एम्बिएंट लाइटिंग, इल्यूमिनेटेड स्कफ प्लेट्स, पैनोरमिक सनरूफ, इल्यूमिनेटेड गियर नॉब, एपल कार प्ले और एंड्रॉयड ऑटो के साथ टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट, फ्लैट-बॉटम स्टीयरिंग व्हील दिया गया है। इसके अलावा, मेमोरी फंक्शन के साथ ड्राइवर-साइड इलेक्ट्रिक सीट, थ्री-जोन क्लाइमेट कंट्रोल जैसे अन्य फीचर्स भी दिए गए हैं। इसमें फॉक्सवैगन कनेक्टेड टेक्नोलॉजी भी दी गई है, इसकी मदद से ड्राइवर को कार के बारे में सभी जानकारी मिल जाती है।

भारत में टेस्ला की बिक्री के लिए सब्सिडी मांग रहे मस्क

» लेकिन यूएस में सब्सिडी बिल के खिलाफ

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारतीय बाजार में एलन मस्क की टेस्ला की एंट्री टैक्स के फेर में फंसी हुई है। वे लगातार सरकार से इस बात की मांग कर रहे हैं उनकी इलेक्ट्रिक कार पर सब्सिडी दी जाए। हालांकि, सब्सिडी को लेकर मस्क का दोहरा चरित्र सामने आया है। वे चाहते हैं कि भारत में उनकी कारों पर सब्सिडी मिले, लेकिन यूएस में वे सब्सिडी के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कांग्रेस को इलेक्ट्रिक व्हीकल के लिए सब्सिडी को बढ़ावा देने के लिए बिल को मंजूरी नहीं देनी चाहिए। भारत में टेस्ला को सब्सिडी नहीं मिलने की वजह से लॉन्चिंग में देरी हो रही है। भारतीय बाजार में अभी विदेशी इलेक्ट्रिक कार पर 60 से 100 फीसदी टैक्स लिया जा रहा है। जैसे देश में अभी 40,000 डॉलर (करीब 30 लाख रुपए) तक कीमत वाली इलेक्ट्रिक कारों पर 60 फीसदी तक टैक्स लगता है। वहीं, कीमत इससे ज्यादा होने पर 100 फीसदी टैक्स लिया जाता है। मस्क ने कई मौके पर कहा है कि वे भारतीय बाजार में टेस्ला की लॉन्चिंग के लिए सरकार से सब्सिडी की मांग को लेकर संपर्क में हैं। दूसरी तरफ, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ये साफ कर चुके हैं कि सब्सिडी के लिए उन्हें मेक-इन-इंडिया अभियान के तहत कार की असैंबलिंग यहां करनी होगी। यूएस में इलेक्ट्रिक व्हीकल पर ऐक्स्ट्रा 4,500 डॉलर (करीब 3.40 लाख रुपए) का टैक्स इन्सेंटिव देने के लिए बिडेन एडमिनिस्ट्रेशन बिल तैयार कर रहा है। ऐसे में मस्क ने WSJ CEO काउंसिल समिट में कहा कि इस बिल का पास नहीं करना चाहिए। मस्क ने कहा कि सब्सिडी से सभी को छुटकारा मिलना चाहिए। सरकार को इसे हटाने की कोशिश करना चाहिए। सब्सिडी देश की प्रगति में रुकावट है। उन्होंने डेमोक्रेट्स द्वारा अरबपतियों पर लगने वाले टैक्स का विरोध भी किया।

30 लाख की टेस्ला ई-कार 48 लाख में मिलेगी

मौजूदा इम्पोर्ट ड्यूटी के हिसाब से देखा जाए तो टेस्ला के सबसे सस्ते मॉडल 3 के सिर्फ बेस मॉडल पर ही 60 फीसदी टैक्स लगेगा। इस तरह करीब 30 लाख रुपए की ये गाड़ी इंडिया में सिर्फ टैक्स जोड़कर ही 48 लाख रुपए की पड़ेगी। अगर इसके लॉन्ग रेंज ट्रिम की बात की जाए तो अमेरिका में इसकी कीमत 49,990 डॉलर (करीब 37.34 लाख रुपए) है। टैक्स के साथ भारत में ये करीब 75.5 लाख रुपए की हो जाएगी। टेस्ला के मॉडल ङ्ख के बेस मॉडल की अमेरिका में कीमत 53,990 डॉलर (करीब 40 लाख रुपए) है, जो भारत में 80 लाख रुपए की मिलेगी। इसी तरह, मॉडल X के बेस मॉडल की प्राइस 99,990 डॉलर (करीब 74.6 लाख रुपए) है, जो भारत में 1.5 करोड़ रुपए की पड़ेगी। मॉडल स् के बेस मॉडल की कीमत 89,990 डॉलर (करीब 67.2 लाख रुपए) है, जो इंडिया में टैक्स जोड़कर 1.3 करोड़ रुपए में मिलेगी। रिसर्च एनालिस्ट साउमेन मंडल का दावा है कि टेस्ला भारत में साल 2022 के मिड में खरीद के लिए उपलब्ध होगी। देश के अमीर और फेमस लोग इस कार का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। लेकिन सरकार और एलन मस्क के बीच इंपोर्ट ड्यूटी का विवाद इस इंतजार को और ज्यादा बढ़ा रहा है।

टाटा भी बढ़ाएगी दाम
कॉमर्शियल व्हीकल के दामों को 2.5 फीसदी तक बढ़ाया जाएगा

नई कीमतें जनवरी से होंगी लागू

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत की कार बनाने वाली कंपनी टाटा मोटर्स ने 1 जनवरी 2022 से कॉमर्शियल व्हीकल की कीमतों को 2.5 फीसदी बढ़ाने का ऐलान किया है। बढ़े हुए दाम मीडियम और हैवी कॉमर्शियल व्हीकल मीडियम और लाइट कॉमर्शियल व्हीकल , स्माल कॉमर्शियल व्हीकल (स्ष्टङ्क) और बस पर लागू होंगे। इनकी कीमत मॉडल और वैरिएंट के हिसाब से अगल-अलग होंगी। कंपनी ने दाम बढ़ाने की वजह स्टील, एल्यूमीनियम और अन्य कीमती धातुओं जैसी वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के साथ-साथ अन्य कच्चे माल की ज्यादा कॉस्ट होना बताया है। नवंबर में टाटा मोटर्स की कुल बिक्री में पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 25 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। टाटा ने अपने डोमेस्टिक होलसेल सेल्स में 58,073 पर 21 फीसदी की वृद्धि दर्ज की, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 47,859 यूनिट्स थी। ऑटो प्रमुख ने कहा कि घरेलू बाजार में उसकी कॉमर्शियल व्हीकल की बिक्री नवंबर में 29,778 यूनिट्स रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 21,641यूनिट्स थी। मारुति, ऑडी और मर्सिडीज-बेंज पहले ही कर चुकी हैं ऐलान मारुति अगले साल जनवरी 2022 से अपनी कारों की कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान कर चुकी है। हालांकि यह बढ़ोतरी मॉडल पर निर्भर करेगी। इसके अलावा मर्सिडीज बेंज ने अधिक फीचर और बढ़ती लागत के चलते कुछ मॉडल पर 2 फीसदी तक की बढ़ोतरी का ऐलान किया है। वहीं दूसरी तरफ ऑडी की भी कारें अगले साल जनवरी 2022 से 3 फीसदी तक महंगी हो सकती हैं। बढ़ती इनपुट और ऑपरेशनल कॉस्ट के चलते ऑडी के सभी मॉडल की कारें महंगी हो सकती हैं।

बिटकॉइन में 3 फीसदी से ज्यादा की गिरावट, इथेरियम भी 5.67 फीसदी गिरकर 3.28 लाख पर आया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में सोमवार को भी गिरावट देखी जा रही है। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन शाम 5 बजे 3.41 फीसदी (24 घंटे में) की गिरावट के साथ 39.36 लाख रुपए पर कारोबार कर रहा था। वहीं इथेरियम में 5.67 फीसदी की गिरावट देखी गई। यह गिरकर 3.28 लाख रुपए पर आ गया है।

अपने ऑल टाइम हाई से 32 फीसदी नीचे आई बिटकॉइन

दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे पसंदीदा क्रिप्टो बिटकॉइन की कीमत 10 नवंबर को 52 लाख रुपए (69,000 डॉलर) के पार पहुंच गई थी लेकिन अब यह 39.36 लाख पर आ गया है। यानी 1 महीने से भी कम में इसकी कीमत में 32 फीसदी की गिरावट आई है।

बाजार में अभी और अस्थिर आ सकती है

एक्सपर्ट्स के अनुसार कोरोना के नए वैरिएंट के आने में बाजार में अस्थिरता बढ़ गई है। बीते वीकेंड पर बिटकॉइन में जबरदस्त तरीके से उतार-चढ़ाव देखा गया है। शुक्रवार के बाद से इसमें 21 फीसदी तक की गिरावट आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, बड़े एक्सचेंजों पर फंडिंग रेट निगेटिव में हो गए हैं। यानी शॉर्ट पोजीशन पर चल रहे निवेशक प्रीमियम चुका रहे हैं। बाजार में लिक्विडेशन का दबाव बढ़ गया है।

सेंसेक्स करीब 949 पॉइंट गिरा

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार भारी गिरावट रही। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स करीब 949 पॉइंट (1.65 फीसदी) की गिरावट के साथ 56747 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 284 अंक (1.65 फीसदी) टूटकर 16912 पर बंद हुआ।

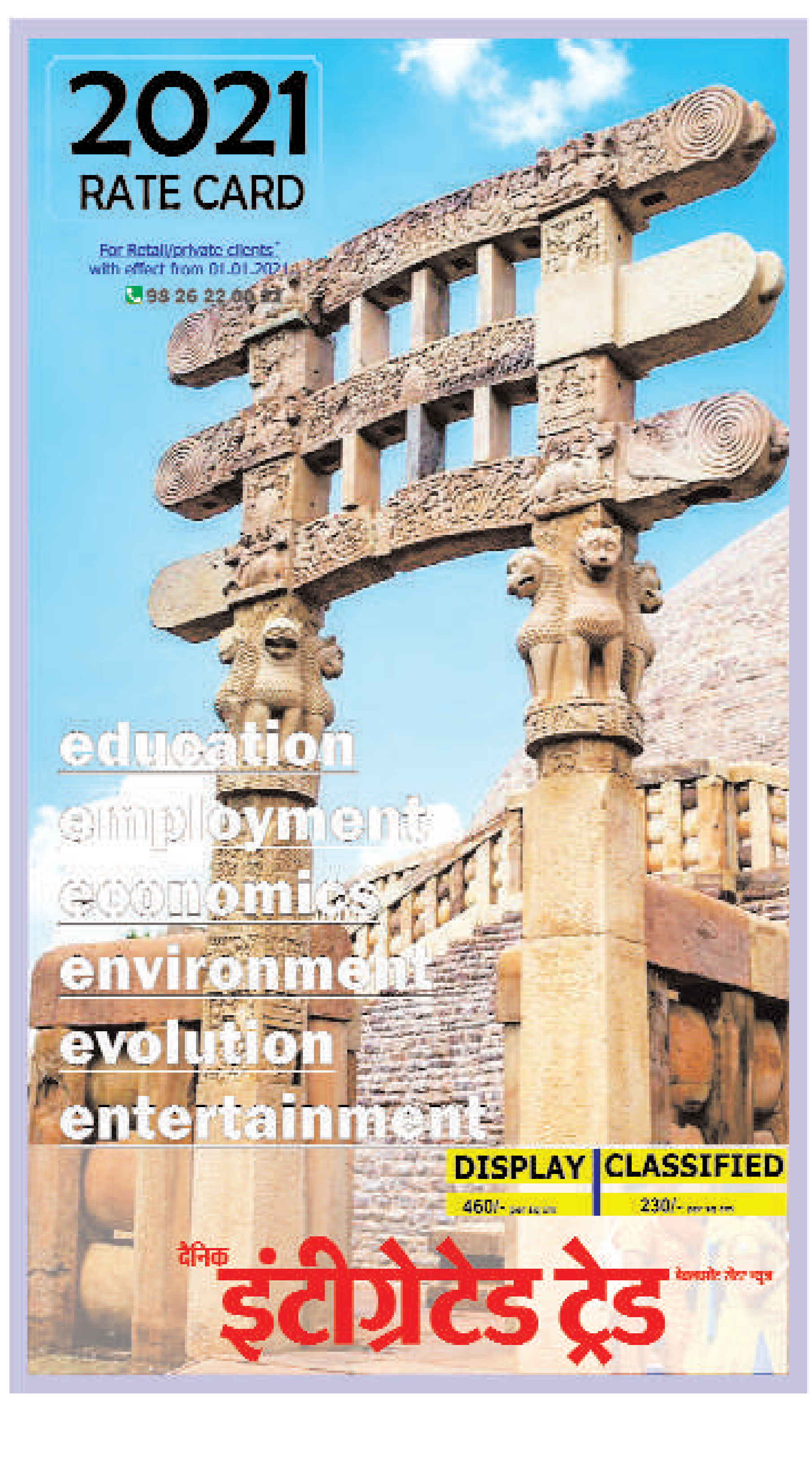

ओमिक्रोन की दहशत के बीच बेहद खास है रूसी राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा

दुनिया भर में कोरोना वायरस के नए प्रतिरूप ओमिक्रोन की दस्तक और दहशत के बाद भी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का भारत आना इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि बीते दो साल में उन्होंने सिर्फ एक बार विदेश यात्रा की है। अपनी इस यात्रा से उन्होंने यह रेखांकित किया कि उनके लिए भारत का विशेष महत्व है। हालांकि उनकी यह यात्रा संक्षिप्त है, लेकिन इसका महत्व इसलिए बढ़ जाता है कि इसी अवसर पर दोनों देशों के विदेश एवं रक्षा मंत्रियों के स्तर पर भी बात हुई। दोनों देशों के बीच की यह प्रगाढ़ता उन चर्चाओं को निराधार साबित करने वाली है कि भारत अमेरिका की तरफ कुछ ज्यादा ही झुक रहा है और इस क्रम में रूस की अनदेखी कर रहा है। भारत ने रूस से अपने संबंधों की महत्ता व्यक्त कर यही साबित किया कि उसकी अपनी स्वतंत्र विदेश नीति है और वह किसी एक खेमे के साथ रहने का हामी नहीं। भारत ने दुनिया के समक्ष यह भी स्पष्ट किया कि यदि हाल के समय में अमेरिका से उसके संबंध मजबूत हुए हैं तो वे किसी अन्य देश और खासकर अपने भरोसेमंद सहयोगी रूस की कीमत पर नहीं। भारत ने रूस से अपने मैत्री संबंधों को आगे ले जाने के साफ संकेत देकर अमेरिका को भी यह जरूरी संदेश दिया कि विदेश नीति के मामले में वह किसी देश का पिछलग्गू होकर नहीं रह सकता।

दोनों देशों के बीच की यह प्रगाढ़ता उन चर्चाओं को निराधार साबित करने वाली है कि भारत अमेरिका की तरफ कुछ ज्यादा ही झुक रहा है और इस क्रम में रूस की अनदेखी कर रहा है।

एक ऐसे समय जब वाशिंगटन और मास्को के संबंध तनाव के दौर से गुजर रहे हैं, तब भारत की ओर से यह प्रकट करना उल्लेखनीय है कि वह रूस के साथ अपने रक्षा, ऊर्जा, व्यापार संबंधों को और मजबूत बनाने जा रहा है। इससे भी उल्लेखनीय है दोनों देशों की ओर से उस एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम सौदे को लेकर प्रतिबद्धता जताना, जिस पर अमेरिका को आपत्ति है। अमेरिका को यह बुनियादी बात समझने में और देर नहीं करनी चाहिए कि वह भारत सरीखे संप्रभु राष्ट्र के लिए यह तय करने का अधिकारी नहीं हो सकता कि उसे अपनी रक्षा-सुरक्षा के लिए क्या और कैसे उपकरण कहां से खरीदने चाहिए? यह अच्छा हुआ कि भारतीय प्रधानमंत्री की रूसी राष्ट्रपति के साथ जिन तमाम मसलों पर चर्चा हुई, उनमें से एक अफगानिस्तान के हालात भी हैं। अमेरिका जिस तरह अफगानिस्तान को अधर में छोड़ गया, उसके बाद वहां असर रखने वाले रूस के साथ भारत की नजदीकी आवश्यक है। रूस का इस दृष्टिकोण से सहमत होना भारत के हित में है कि अफगानिस्तान की धरती से आतंकवाद फैलने का खतरा बढ़ गया है। यह सही है कि रूस की चीन से भी नजदीकी है, लेकिन उम्मीद की जाती है कि भारतीय नेतृत्व रूसी राष्ट्रपति के जरिये उसे सही संदेश देने में सफल होगा।

संपादकीय

हथकरघा के हाल, बेहाल

- अशोक शरण

सरकार ने हथकरघा उद्योग और बुनकरों के लिए पर्याप्त योजनाएं बनाई हैं। इन योजनाओं को लागू करने के बाद भी हथकरघा उद्योग और बुनकरों की दुर्दशा जारी है और वे पलायन करने के लिए मजबूर है। यदि हम वर्ष 1980 की वर्ष 2018 से तुलना करें तो हथकरघा उद्योग मंदी की ओर है। बुनकर अपना बुनाई का व्यवसाय छोड़कर अन्य व्यवसाय में चले गये। 80 और 90 के दशक में बुनकर बहुत ही दयनीय स्थिति में पहुंच गए थे। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान गांधी जी ने चरखा और गुंडी, अर्थात कत्तिन और बुनकर को आजादी के आंदोलन से जोड़ दिया और उसे आजादी की लडाई का एक शस्त्र ही बना डाला। यूरोप में औद्योगिक क्रांति के बाद और ब्रिटेन में मैनचेस्टर की कपड़ा मिलों के अस्तित्व में आने के बाद भारत में भी विदेशी वस्त्र का आयात बहुतायत में होने लगा। फलस्वरूप कत्तिन-बुनकरों की हालत बद-से-बदतर होने लगी। अंग्रेजी हुकूमत ने एक बहुत बड़ी आबादी को कंगाली के रास्ते पर लाकर खड़ा कर दिया। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात देश ने %मिश्रित अर्थव्यवस्था% का प्रारूप तैयार किया जहां बड़े उद्योग भी होंगे और छोटे, मझोले उद्योग भी। इस प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में खादी और ग्रामोद्योगों के माध्यम से बड़ा काम होने लगा। बुनकरों को रोजगार प्राप्त हुए। उनके विकास के लिए अलग से योजनाएं बनाई गयीं, परंतु 70 के दशक के अंत तक हैंडलूम और खादी सेक्टर के बुनकरों की हालत खस्ता होने लगी। इसका मुख्य कारण %पावर लूम% और मिलों में कपड़ा बहुतायत में उत्पादन होने लगा। बुनकरों के पास जो हाथ की कलाकारी थी, कसीदाकारी का जो हुनर था उसकी नकल पावरलूम में होने लगी। हैंडलूम में जो साड़ी 4-5 दिन में तैयार होती थी, वह पावरलूम में एक दिन में बनने लगी और बहुत सस्ते दामों पर बाजार में उपलब्ध होने लगी। नतीजे में बुनकरों की आय कम होती गई और उन्हें गांव छोड़कर रोजगार की तलाश में शहरों की ओर पलायन करना पड़ा। रिक्शा चलाना, फैक्टरी में मजदूरी और अन्य छोटे-मोटे रोजगारों से गुजारा करना पड़ा। शहर में अपना गुजारा और गांव में परिवार के लिए पैसे भेजना, उनकी बड़ी दयनीय स्थिति हो गई। बुनकर समाज जो आत्मसम्मान का जीवन जी रहा था, देश-विदेश में जिसके उत्पादों की ख्याति थी, जो ठीक-ठाक पैसे भी कमा रहा था, उसको मजदूर बना दिया गया। सरकारों ने भी इस क्षेत्र के लिए कोई विशेष ध्यान नहीं दिया। कारपोरेट सेक्टर को लाखों-करोड़ों रुपए की सब्सिडी दी जाने लगी और खादी-हैंडलूम सेक्टर में, जहां से बुनकरों को रोजगार मिलता था, सब्सिडी कम होने लगी। उदारीकरण के युग में उनको भी मार्केट के भरोसे छोड़ दिया गया। देश में कपड़े का उत्पादन चार पद्धतियों से हो रहा है- खादी, हैंडलूम, पावरलूम और मिल। इसमें से केवल खादी और हैंडलूम सेक्टर में ही बुनकरों को रोजगार मिलता है। पॉवरलूम में बिजली का प्रयोग होता है और मिल में काम मशीनों पर होता है जिसमें बुनकरों के रोजगार की संभावना क्षीण है। अभी भी भारत में कृषि के बाद हैंडलूम सेक्टर दूसरा सबसे बड़ा ग्रामीण रोजगार देने वाला क्षेत्र है। भारत में कुल वस्त्र उत्पादन का 15 प्रतिशत हैंडलूम सेक्टर में होता है। विश्वभर में हाथ से बुने कपड़े में भारत प्रथम स्थान पर है और यह प्रतिशत के हिसाब से 95 प्रतिशत है। वर्ष 2020 में 223.19 मिलियन डालर का हैंडलूम एक्सपोर्ट हुआ है। सरकार की बुनकरों के लिए कई लाभकारी योजनाओं के बाद भी हैंडलूम बुनकरों की स्थिति दयनीय बनी हुयी है। इन सभी योजनाओं के पुनरावलोकन के बाद, इन सभी को %एकल खिड़की% के दायरे में लाने की आवश्यकता है। बुनकरों की दुर्दशा का एक प्रमुख कारण यह भी है कि सरकार ने उनके लिए विभिन्न योजनाएं बनाईं, पर कभी भी बुनकरों के लिए समग्र दृष्टि से सोच-विचार नहीं किया। हथकरघा उद्योग के विकास के लिए बुनकरों को जो सहायता प्रदान की जा रही है वह भी अलग-अलग माध्यम, एजेंसी द्वारा दी जा रही है। जैसे खादी से जो बुनकर जुड़े हैं उनके विकास के लिये खादी और ग्रामोद्योग आयोग विभिन्न योजनाएं बनाकर सहायता देता है जो भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्रालय के अंतर्गत आता है। इसी प्रकार हैंडलूम क्षेत्र से जो बुनकर जुड़े हुए हैं उनके लिए %वस्त्र मंत्रालय% के माध्यम से सहायता दी जाती है। %वस्त्र मंत्रालय% के साथ पावरलूम, मिल सेक्टर भी जुड़ा है। %वस्त्र मंत्रालय% जो कपड़ा नीति निर्धारित करता है उसका लाभ खादी और हथकरघा उद्योग को न के बराबर होता है। इसमें बुनकर गौण हो जाते हैं, हालांकि %वस्त्र मंत्रालय% में %विकास आयुक्त, हैंडलूम% के नाम से अलग विभाग है। इसके अतिरिक्त अन्य एजेंसी भी है जो हैंडलूम सेक्टर को मदद करती है, जैसे - %अल्पसंख्यक आयोग% के माध्यम से भी बुनकरों को सहायता दी जाती है। सरकार ने समय-समय पर बुनकरों के कर्ज भी माफ किये हैं, परंतु उसका लाभ सभी बुनकरों को नहीं मिला। खादी संस्थाओं के साथ जो बुनकर जुड़े थे उनको भी इसका लाभ नहीं मिला। सरकार ने हथकरघा उद्योग और बुनकरों के लिए पर्याप्त योजनाएं बनाई हैं। इन योजनाओं को लागू करने के बाद भी हथकरघा उद्योग और बुनकरों की दुर्दशा जारी है और वे पलायन करने के लिए मजबूर है। यदि हम वर्ष 1980 की वर्ष 2018 से तुलना करें तो हथकरघा उद्योग मंदी की ओर है। बुनकर अपना बुनाई का व्यवसाय छोड़कर अन्य व्यवसाय में चले गये। 80 और 90 के दशक में बुनकर बहुत ही दयनीय स्थिति में पहुंच गए थे।

नगालैंड की घटना के सबक

नगालैंड में सुरक्षाबलों की गोलीबारी से एक जवान समेत 15 लोगों की मौत से एक बार फिर केंद्र सरकार की नीतियों, सुरक्षा बलों की गतिविधियों और खुफिया एजेंसियों की सक्षमता पर सवाल खड़े होते हैं। अगर संवेदनशील सरकार होती तो अब तक गृहमंत्री इस्तीफे की पेशकश कर चुके होते, लेकिन मौजूदा सरकार में गृहमंत्री बयान देने में यकीन रखते हैं। हालांकि उनके बयान देने से न मृत लोग जिंदा हो सकते हैं, न सुरक्षा बलों और आम जनता के बीच विश्वास बहाली हो सकती है। नगालैंड की घटना इस बात का प्रमाण है कि पूर्वोत्तर में हिंदुत्ववादी एजेंडे को लागू कर भाजपा ने अपने पैर तो पसार लिए, लेकिन यहां के नाजुक हालात संभालने में केंद्र सरकार पूरी तरह विफल रही है। पहले असम-मिजोरम के बीच सीमा विवाद को लेकर हिंसक संघर्ष हुआ, जो आजाद देश में अभूतपूर्व घटना थी। इसके बाद त्रिपुरा में बांग्लादेश मामले के कारण सांप्रदायिक तनाव कायम हुआ और अब नगालैंड में सुरक्षा बलों ने उग्रवाद से लड़ाई के नाम पर अपने ही नागरिकों को निशाना बनाया, पहले भूल से और उसके बाद दमनकारी अंदाज में। 4 दिसंबर को नगालैंड के मोन जिले के तिरू और ओटिंग गांव के कुछ लोग कोयला खदान में काम करने गए। लेकिन शाम तक छह युवक वापस नहीं लौटे, तो उनके परिजनों और गांव के लोगों ने तलाश शुरु की। ओटिंग में ही एक पिकअप वैन में 6 युवकों के शव लथपथ पड़े मिले। पहले तो माजरा समझ नहीं आया, बाद में पता चला कि यहां पर सुरक्षा बलों ने फायरिंग की थी। इसके बाद वहां बड़ी संख्या में ग्रामीण इकज हो गए। नाराज, बेकाबू भीड़ ने सुरक्षा बलों की गाड़ियों में आग लगा दी। सुरक्षा बलों ने भीड़ को समझाने की कोशिश की लेकिन उग्र भीड़ शांत नहीं हो रही थी। इस दौरान दोबारा फायरिंग हुई जिसमें फिर कुछ लोगों की मौत हो गई। गौरतलब है कि मोन जिले की सीमाएं म्यांमार से मिलती हैं और प्रतिबंधित संगठन नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड-के (एनएससीएन-के) के युंग ओंग धड़े की गतिविधियां यहीं से संचालित होती हैं। सेना को खुफिया सूचना मिली थी कि यहां कोई उग्रवादी गतिविधि की आशंका है, जिसके आधार पर सेना ने कार्रवाई की। लेकिन इस कार्रवाई में अपने ही नागरिकों को सेना ने निशाना बनाया। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में रोष की लहर दौड़ना स्वाभाविक है। जनता के आक्रोश को देखते हुए अब यहां कर्फ्यू लगा दिया गया है, कई जगह इंटरनेट पर पाबंदियां हैं। नगालैंड पुलिस ने भारतीय सेना के 21 पैरा विशेष बलों के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए प्राथमिकी दर्ज की है। प्राथमिकी में नगालैंड पुलिस ने स्पष्ट रूप से कहा है कि पैरा स्पेशल बलों ने स्थानीय पुलिस को सूचित नहीं किया था, न ही कोई पुलिस गाइड लिया था। सेना अपनी कार्रवाई के पीछे %गलत पहचान% को कारण बता रही है, लेकिन प्राथमिकी में पुलिस ने %सुरक्षा बलों की मंशा नागरिकों की हत्या और घायल करना% बताया है। नागा स्टूडेंट्स फेडरेशन ने प्रदेश में पांच दिनों के शोक का ऐलान किया है। नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफियो रियू ने इस घटना पर दुख जताते हुए एसआईटी की जांच की घोषणा की है और मृतकों के परिजनों के लिए पांच-पांच लाख के मुआवजे का ऐलान किया है। सेना ने भी घटना को खेदजनक बताते हुए %कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी% का आदेश दिया है। नगालैंड की इस घटना के बाद एक बार फिर से पूर्वोत्तर से सशस्त्र बल (विशेषाधिकार) अधिनियम, 1958 यानी अफ्स्पा को वापस लेने की मांग जोर पकड़ने लगी है। पहले ही कई नागरिक संगठन और इलाके के राजनेता वर्षों से अधिनियम की आड़ में सुरक्षाबलों पर ज्यादती का आरोप लगाते हुए इस कानून को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। इस कानून के तहत सेना के जवानों को कानून तोड़ने वाले व्यक्ति पर गोली चलाने का भी अधिकार होता है, इसलिए इसमें मानवाधिकार हनन की आशंका हमेशा बनी रहती है। अमूमन अफ्स्पा के कारण सैन्यबलों की ज्यादतियों को राजनैतिक शह मिल जाती है, लेकिन नगालैंड में पुलिस ने ही सैन्य बलों पर हत्या के आरोप लगाए हैं। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने अफ्स्पा को हटाने की मांग की है। नॉर्थ ईस्ट स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन (एनईएसओ) ने कहा कि अगर केंद्र पूर्वोत्तर के लोगों के कल्याण और कुशलता के बारे में चिंतित है तो उसे कानून को निरस्त करना चाहिए। वहीं ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (एएएसयू) के मुख्य सलाहकार समुज्जल कुमार भट्टाचार्य ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा के लिए कठोर और अलोकतांत्रिक अफ्स्पा को निरस्त किया जाना चाहिए। विभिन्न क्षेत्रों के इन लोगों की सलाह पता नहीं केंद्र सरकार तक पहुंचती है या नहीं। वैसे यह तय है कि सरकार का मनमाना रवैया और सब कुछ ठीक होने का ऊपरी दिखावा कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर तक आम जनजीवन में उथल-पुथल मचा चुका है। सशक्त सरकार की असली ताकत सैन्य बलों से नहीं, जनता की सुख-शांति से होती है। मगर मोदी सरकार सैन्य ताकत के बूते जनता पर राज कर रही है। 2015 में जब नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ़ नागालैंड यानी एनएससीएन (मुइवाह) और भारत सरकार के बीच शांति समझौता हुआ तो इसे ऐतिहासिक उपलब्धि की तरह पेश किया गया था लेकिन सच यही है कि इस शांति समझौते के बावजूद नगालैंड में स्थायी शांति नहीं आ सकी और विद्रोही ताकतें सिर उठाती रहीं। इन ताकतों को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए जो विश्वास बहाली सरकार के साथ होना चाहिए थी, वह भी नहीं हुई।

गौरतलब है कि मोन जिले की सीमाएं म्यांमार से मिलती हैं और प्रतिबंधित संगठन नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड-के (एनएससीएन-के) के युंग ओंग धड़े की गतिविधियां यहीं से संचालित होती हैं। सेना को खुफिया सूचना मिली थी कि यहां कोई उग्रवादी गतिविधि की आशंका है, जिसके आधार पर सेना ने कार्रवाई की।

संरक्षणवाद अपनाइए और रोजगार बनाइए

- भरत झुनझुनवाला

तमाम अधिकारियों और नेताओं की संतानें बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में कार्य करती हैं। सेवानिवृत्ति के बाद ये स्वयं विश्व बैंक कि सलाहकारी करने को उत्सुक रहते हैं। इसलिए इनकी मानसिकता ही बन जाती है कि बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के हितों को साधें और वे अनजाने में ही देशहित की ऐसी गलत परिभाषा कर बैठते हैं जिसके अंतर्गत हम आयातों पर निर्भर होते जा रहे हैं और हमारे उद्यमी बेरोजगार होते जा रहे हैं। बीते वर्ष में अपने निर्यातों में 10 अरब डालर की वृद्धि हुई है तो आयातों में 21 अरब डालर की वृद्धि हुई है। सच यह है कि निर्यात बढ़ाने के प्रयास में हमारे आयात बढ़ रहे हैं और हम दबते जा रहे हैं। सरकार ने पिछले वर्ष इस समस्या का संज्ञान लेते हुए चीन के की ऐप जैसे जूम और कैम स्कैनर पर और रक्षा से सम्बन्धित लगभग 100 वस्तुओं पर प्रतिबन्ध लगाया था। कोट, पैंट, जूलरी, प्लास्टिक, केमिकल, चमड़ा इत्यादि माल पर आयात कर बढ़ाए थे। लेकिन ये कदम पर्याप्त सिद्ध नहीं हुए हैं। हमारे आयात दिनोंदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। कारण यह है कि हमने खुले व्यापार को अपना रखा है। अर्थव्यवस्था को चलाने के दो माडल हैं। एक यह कि हम खुले व्यापार को अपनाएं और अपने माल का निर्यात करने का प्रयास करें। विदेशी माल के आयात करने की छूट दें ताकि हमारे निर्यात क्षेत्र में रोजगार उत्पन्न हो सके और हमारे उपभोक्ता को सस्ता विदेशी माल उपलब्ध हो। इस माडल की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि हम कितना निर्यात कर पाते हैं। सस्ते आयातों का पेमेंट करने के लिए निर्यात से डॉलर अर्जित करना जरूरी होता है। पिछले वर्ष का अनुभव प्रमाणित करता है कि खुले व्यापार के माडल से हमें सफलता नहीं मिल रही है। निर्यातों में वृद्धि कम और आयातों में वृद्धि अधिक हो रही है। इसलिए हमें दूसरे संरक्षणवाद के माडल को अपनाना चाहिए। इस माडल में हम केवल अति जरूरी माल के आयात को छूट देते हैं। शेष माल पर भारी आयात कर लगा देते हैं जिससे कि अधिकाधिक माल का उत्पादन अपने देश में हो। संरक्षणवाद का लाभ यह है कि हम अधिकतर माल में आत्मनिर्भर हो जाते हैं। हमारी आर्थिक संप्रभुता की रक्षा होती है। नुकसान यह है कि हमें विदेशों में बना सस्ता माल नहीं मिलता है। दूसरा नुकसान है कि हमारे उद्यमी अकुशल उत्पादन में लिप्त हो जाते हैं। विदेशी माल पर आयात कर अधिक होने से आयातित माल महंगा पड़ता है और हमारे उद्यमी मुनाफाखोरी करते हैं या अकुशल उत्पादन करते हैं क्योंकि उन्हें सस्ते विदेशी माल से प्रतिस्पर्धा करने की जरूरत नहीं रह जाती है। इस तथ्य के बावजूद मेरा मानना है कि हमें संरक्षणवाद को अपनाना चाहिए। मान लें कि संरक्षणवाद को अपनाने से अपने देश में अकुशल उत्पादन होता है तो भी इस अकुशल उत्पादन में हमारे श्रमिकों को रोजगार मिलता ही है। उनकी क्रय शक्ति में वृद्धि होती है। अतः प्रश्न यह है कि हम अपने श्रमिकों को रोजगार के साथ महंगा घरेलू माल परोसेंगे या बेरोजगारी के साथ सस्ता विदेशी माल? यदि हम खुले व्यापार को अपनाते हैं और सस्ता विदेशी माल अपने देश में आता है तो हमारे उद्योग बंद हो जाते हैं। हमारे श्रमिक बेरोजगार हो जाते हैं। विदेश का बना सस्ता माल हमारी दुकानों में उपलब्ध तो होता है लेकिन श्रमिक की जेब में नगद नहीं होता है कि वह उस माल को खरीद सके। सस्ता विदेशी माल स्वप्न जैसा रह जाता है। सस्ता माल उपलब्ध कराकर उन्हें बेरोजगारी के साथ भुखमरी की कगार पर लाने की तुलना में रोजगार के साथ महंगा माल उपलब्ध कराना उत्तम है। तब माल कम भी मिलेगा तो भी वे कुछ खपत तो कर ही सकेंगे। भूखे नहीं मरेंगे। खुले व्यापार का सिद्धांत है कि हर देश उस माल का उत्पादन करेगा जिसे वह कुशलतापूर्वक बना सकता है। जैसे भारत गलीचे का कुशल उत्पादन करे और चीन बिजली के बल्ब का कुशल उत्पादन करे। भारत सस्ते गलीचों का निर्यात करे और चीन सस्ते बल्ब का निर्यात करे। तब भारत में गलीचे के उत्पादन में रोजगार बनेंगे और उस आय से भारतीय नागरिक को चीन के सस्ते बल्ब को खरीद सकेंगे। इसी प्रकार चीन के नागरिक को बल्ब के उत्पादन में रोजगार मिलेंगे और उस आय से वे भारत में बने सस्ते गलीचे को खरीद सकेंगे।

यह सिद्धांत सही है लेकिन यह गैर आवश्यक माल मात्र पर लागू होता है। जैसे मान लीजिये हम स्टील का आयात चीन से करने लगें तब हम अपने देश में बंदूक, पनडुब्बियां, हवाई जहाज इत्यादि माल का उत्पादन भी नहीं कर सकेंगे क्योंकि इनके उत्पादन के लिए हमें स्टील चाहिए जिसे प्राप्त करने के लिए हम चीन पर आश्रित हो जायेंगे। इसलिए अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए जरूरी है कि हम आवश्यक वस्तुओं का उत्पादन अपने देश में ही करें यह चाहे महंगा ही क्यों न पड़े। आर्थिक संप्रभुता की रक्षा का हमें मूल्य तो चुकाना ही पड़ेगा। जैसे हम कार खरीदते हैं तो उस पर इन्श्योरेन्स का अधिभार अदा करते हैं। इसी प्रकार हमें आयातित माल पर संप्रभुता का अधिभार वसूल करना पड़ेगा। जैसे यदि देश में उत्पादित स्टील का दाम 50 रुपये प्रति किलो है और विदेश में उत्पादित स्टील का दाम 40 रुपए प्रति किलो है तो हम विदेशी स्टील पर 10 रुपए का संप्रभुता अधिभार लगा सकते हैं चूंकि हमारे लिए अपने ही देश में स्टील का उत्पादन करना आवश्यक है। तब अपने देश में बने स्टील और आयातित स्टील दोनों का दाम 50 रुपए प्रति किलो हो जाएगा और अपने देश में स्टील का उत्पादन हो सकेगा। बंदूक, पनडुब्बियां, हवाई जहाज इत्यादि का उत्पादन करने के लिए हम चीन पर आश्रित नहीं होंगे।

देश में पांच साल की उम्र तक के बच्चों में मोटापा बढ़ा है

डा. मोनिका शर्मा।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-पांच के ताजा आंकड़ों के मुताबिक देश में पांच साल की उम्र तक के बच्चों में मोटापा बढ़ा है। सर्वेक्षण बताता है कि 33 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में मोटे बच्चों की संख्या में इजाफा हुआ है। वर्ष 2015-2016 के बीच किए गए पिछले सर्वे में मोटापे से ग्रस्त बच्चों की संख्या 2.1 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर 3.4 प्रतिशत हो गई है। सर्वे के मुताबिक शहरी इलाकों में पांच साल से कम उम्र के चार प्रतिशत और ग्रामीण इलाकों में 4.5 प्रतिशत बच्चे मोटापे के शिकार हैं। बच्चों के बढ़ते वजन के आंकड़े वाकई चिंतनीय हैं, क्योंकि मोटापा कई मानसिक और शारीरिक समस्याओं की भी जड़ है।दरअसल बच्चों में खान-पान की अस्वस्थ आदतें और शारीरिक सक्रियता से दूरी, दोनों ही वर्तमान जीवनशैली में आम हैं। विशेषज्ञों ने भी मोटापे के लिए शारीरिक निष्क्रियता और अस्वास्थ्यकर भोजन को ही जिम्मेदार बताया है। गौरतलब है कि बच्चों में बढ़ते वजन की समस्या की यही रफ्तार रही तो वर्ष 2025 तक भारत बच्चों के मोटापे के मामले में दुनिया में दूसरे स्थान पर होगा। चिंतनीय है कि बच्चों में बढ़ता जंक फूड का सेवन उन्हें मोटा और आलसी बनाने के साथ ही उनकी कार्यक्षमता भी कम कर रहा है। ऊर्जा और उत्साह से भरे होने के बजाय बच्चे थके और उत्साह हीन लगते हैं। व्यक्तित्व और विचार, दोनों पर इस जीवनशैली का असर पड़ रहा है। मोटापे से जूझ रहे बच्चों के मनोवैज्ञानिक उलझनों का शिकार होने की भी काफी आशंका होती है। इतना ही नहीं कम उम्र में ही कई सारी जीवनशैली जनित बीमारियां बच्चों को घेर रही हैं। 2019 की एक सर्वे रिपोर्ट के अनुसार देश में 10 में से एक बच्चा प्री-डायबिटिक है।हमारे देसी खान-पान और सक्रिय जीवनशैली वाले परिवेश में कुपोषण का ही एक रूप बन चुके मोटापे की यह दस्तक चिंतनीय है। बच्चों में जंक फूड खाने का बढ़ता चाव और बहुत हद तक अभिभावकों की अनदेखी इसका कारण है।

जल्द ही मुंबई रेलवे शुरू करेगा दो और रेस्टोरेंट ऑन व्हील्स, जानें यात्रियों के लिए कैसी होंगी सुविधाएं और इंटिरियर

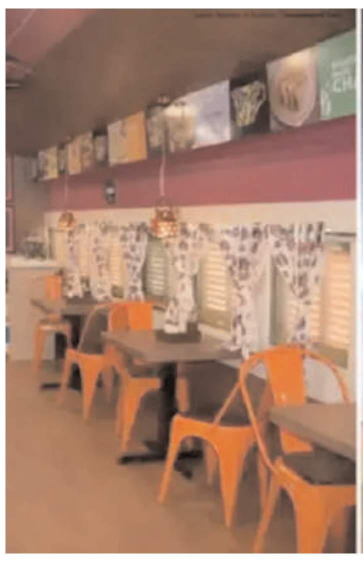

कोच के अंदर 10 टेबल की व्यवस्था की गई है। एक बार में इसमें 40 लोग बैठ सकते हैं। रेस्तरां के इंटीरियर को इस तरह से सजाया गया है कि यात्रियों के साथ-साथ जनता भी रेल-थीम में भोजन करने के अनुभव का आनंद ले सकें। कोच के अंदरूनी हिस्से को उपनगरीय रेलवे थीम के साथ सजाया गया है।

भारतीय रेलवे में इन दिनों खूब नए-नए प्रयोग हो रहे हैं। साल 2022 में मुंबई शहर में लोकमान्य तिलक टर्मिनस (स्ज्ञ्ञ) से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक खुशखबरी है। अब ये यात्री अपनी यात्रा के दौरान रेस्टोरेंट ऑन व्हील्स का मजा भी ले सकेंगे। इतना ही नहीं इस रेस्टोरेंट के चारों और एक खूबसूरत बगीचा भी होगा। जिसमें ज्यादा से ज्यादा मेहमानों को बैठाने के लिए रेस्तरां के आसपास की जगह को भी सजाया जाएगा।

दरअसल, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी), में मेहमानों से मिली अच्छी प्रतिक्रिया के बाद मध्य रेलवे ने अतिरिक्त रेलवे डिब्बों के साथ गेस्ट को आकर्षित करने के लिए एक बड़ा रेस्टोरेंट ऑन व्हील्स खोलने की योजना बनाई है। हालांकि, अतिरिक्त कोच उन रेलवे स्टेशनों पर लगाए जाएंगे जिनके पास ज्यादा जगह है। मध्य रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, रेस्टोरेंट ऑन व्हील्स को लोगों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। कई बार रेस्टोरेंट के बाहर लंबे कतारें लग जाती हैं। जिसे देखते हुए हम जहां जगह उपलब्ध है उन रेलवे स्टेशनों पर ज्यादा से ज्यादा लोगों को बैठाने के लिए अतिरिक्त कोच लगाने और आसपास की जगह को सजाने की योजना बना रहे हैं। कोच के अंदर 10 टेबल की व्यवस्था की गई है। एक बार में इसमें 40 लोग बैठ सकते हैं। रेस्तरां के इंटीरियर को इस तरह से सजाया गया है कि यात्रियों के साथ-साथ जनता भी रेल-थीम में भोजन करने के अनुभव का आनंद ले सकें। कोच के अंदरूनी हिस्से को उपनगरीय रेलवे थीम के साथ सजाया गया है। इसके अलावा यहां स्थानीय ट्रेनों और शहर के उपनगरीय रेलवे नेटवर्क की तस्वीरें भी लगी हुई हैं।

ढ़ाबा स्टाइल में बनाएं मटर के पराठे, अदरक डालकर लगते हैं टेस्टी

सीएसएमटी का रेस्तरां ऑन व्हील्स लॉन्च होते ही लगभग 10,000 गेस्ट ने यहां का दौरा किया। बता दें, शहर का पहला पहिए वाला रेस्टोरेंट 18 अक्टूबर को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) में आगंतुकों के लिए खोला गया। यह 24 घंटे खुला रहने वाला रेस्तरां टर्मिनस के प्रवेश द्वार पर पीडी मेलो में खोला गया है। अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के रेस्तरां कल्याण, बोरीवली, इगतपुरी, लोनावाला, नागपुर, मिराज, चिंचवाड़, बारामती और महाराष्ट्र के अकुर्दी स्टेशन पर भी खुलेंगे। मध्य रेलवे ने गैर-किराया राजस्व के तहत अपनी आय बढ़ाने के लिए इस तरह के रेस्तरां ऑन व्हील्स की शुरुआत की है। बता दें, रेलवे सीएसएमटी के इन रेस्टोरेंट से सालाना 42 लाख रुपये कमाएगा।

जंगल घूमने दुधवा और पीलीभीत टाइगर रिजर्व आ रहे हैं तो इन बातों का रखें ध्यान

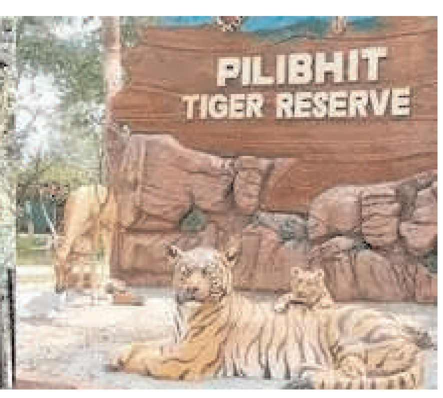

कोरोना संक्रमण के बीच 15 नवंबर को लखीमपुर खीरी का दुधवा और पीलीभीत का टाइगर रिजर्व सैलानियों के लिए खोल दिया गया। दोनों स्थानों पर कोरोना को लेकर सतर्कता बरती जा रही है। इसी बीच अब नए वैरिएंट ओमीक्रोन का खतरा बढ़ा तो पार्क प्रशासन की चिंता भी बढ़ गई। ऐसे में अब पार्क में आने वाले पर्यटकों के सथ ही वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर विशेष सावधानी बरती जा रही है। यदि आप भी दुधवा और पीलीभीत टाइगर रिजर्व में आकर जंगल और वन्यजीवों की खूबसूरती निहारना चाहते हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखना होगा। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डीडी नवीन खंडेलवाल का कहना है कि ओमीक्रोन को लेकर पूरी सतर्कता बरती जा रही है। कोविड नियमों का पालन कर सैलानियों को एंट्री मिलेगी। उत्तराखंड और विदेश से आने वाले सैलानियों पर खास नजर रहेगी।

शासन की ओर से जारी आदेश

1. कोविड -19 वैक्सीनेशन की दोनों डोज़ लगने का प्रमाण पत्र साथ लेकर आएं
2. कोविड-19 की पहली डोज या कोई डोज नहीं ली है तो पिछले 72 घंटे में ऋज्ञक्ष्टक निगेटिव की रिपोर्ट साथ लेकर आएं
3. पर्यटन परिसर में प्रवेश से पूर्व पर्यटकों का तापमान जांचा जायेगा। केवल उन्हीं को प्रवेश दिया जायेगा, जिनमें कोविड-19 संक्रमण सम्बंधी लक्षण नहीं दिख रहे होंगे
4. किसी भी पर्यटक में संक्रमण सम्बंधी लक्षण देखे जाने की दशा में उनके अतिरिक्त उनके साथ आये हुये पर्यटक दल के सभी सदस्यों को पर्यटन में प्रवेश नहीं दिया जायेगा
5. इस पर्यटन सत्र में सामाजिक दूरी संबंधी सावधानी अपनाये जाने के दृष्टिगत एक सफारी वाहन में केवल 04 यात्रियों को ही जाने की अनुमति होगी। यात्रियों के अतिरिक्त उक्त सफारी वाहन में एक वाहन चालक एवं एक गाइड मौजूद होगा। प्रत्येक वाहन में सेनीटाइजर उपलब्ध रहना चाहिये
6. किसी भी दशा मे पर्यटकों को वन क्षेत्र में वाहन से नीचे उतरने की अनुमति नहीं होगी
7. सभी पर्यटक अनिवार्य रूप से मास्क का उपयोग करेंगें एवं व्यक्तिगत रूप से अपने पास सेनीटाइजर भी रखेंगे। मास्क उतारने या हटाने पर पाबन्दी होगी। उक्त व्यवस्था का उल्लंघन करने पर सम्बंधी पर्यटक से 500 रूपये का प्रतिकर लिया जायेगा। वाहन चालक एवं गाइड भी मास्क का उपयोग करें एवं किसी भी दशा में इसका उल्लंघन नहीं करेंगें।
8. सफारी वाहन प्रत्येक सत्र में सेनीटाइज किये जायेंगे, जिस पर आने वाला व्यय पर्यटकों में बराबर-बराबर बाँटा जायेगा। सेनीटाइजेशन की व्यवस्था हेतु किसी निजी फर्म से अनुबन्ध करना होगा।
9. रात्रि विश्राम हेतु एक हट में अधिकतम 02 पर्यटकों को ठहरने की अनुमति होगी। हटों को भी प्रतिदिन सेनीटाइज किया जायेगा, जिसका शुल्क सम्बंधित पर्यटक से प्राप्त किया जायेगा।
10. भोजन व्यवस्था में भी प्रत्यके हट में अवस्थान कर रहे पर्यटकों को अलग-अलग समय निर्धारित करने हुये भोजन हेतु कैन्टीन में उपस्थित होने के लिये निर्देशित किया जायेगा। विस्तृत मेन्यू की जगह केवल भोजन की थाली की व्यवस्था रखी जायेगी। इसी प्रकार जल-पान में भी मेन्यू निर्धारित होगा। (उप्र शासन के गृह (गोपन) अनुभाग-3 की पत्र संख्या 2135/2020/सीएक्स-3 दिनांक 01.10.2020 द्वारा जारी दिशा-निर्देश के बिन्दु संख्या-7 में यथाप्राविधानित 65 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति, सह-रूग्णता अर्थात एक से अधिक अन्य बीमारियों से ग्रसित, गर्भवती स्त्रियों और 10 वर्ष की आयु से नीचे के बच्चों को पर्यटन की अनुमति नहीं दी जायेगी।) पीलीभीत की सीएमओ डॉ. सीमा अग्रवाल के अनुसार शासन ने कोरोना की तीसरी लहर से प्रभावित देशों की सूची जारी की है। इनमें यूनाइटेड किग्डम, साउथ अफ्रीका, बंग्लादेश, वोटसवाना, चीन, मैरुटस, न्यूजीलैंड, जिंमबांबे, सिंगापुर, हांगकांग और इजराइल शामिल हैं। इन देशों से आने वालों पर नजर रखने और जांच के आदेश दिए गए हैं। इसको लेकर टाइगर रिजर्व को पत्र जारी किया गया है ताकि इन देशों से आने वाले पर्यटकों पर विशेष नजर रखी जा सके।

दुधवा पार्क के पर्यटन परिसर में कोविड जांच और टीकाकरण का लगेगा कैंप

स्वास्थ्य विभाग दुधवा पार्क के पर्यटन परिसर में कोविड जांच और टीकाकरण का स्थायी कैंप शुरू करेगा। इस दौरान लक्षणों वाले सैलानियों की कोविड जांच की जाएगी, साथ ही टीका भी लगेगा। स्वास्थ्य विभाग ने अपर स्वास्थ्य सचिव को भेजी कार्ययोजना में इन तैयारियों को शामिल किया है।

ट्रेन से ट्रेवल करना है पसंद

बचपन में ट्रेन में बैठ कर दादी-नानी के घर जाना, या फिर गर्मियों की छुट्टी में किसी जगह पर घूमने जाने की बाच हो ट्रेन का जो सफर होता है, वह बेहद ही खास होता है। वैसे तो इन दिनों फ्लाइट्स टिकट काफी सस्ते हो गए हैं और ऐसे में बहुत कम लोग हैं जो अब ट्रेन में ट्रेवल करते हैं। लेकिन कुछ ऐसे रास्ते हैं जहां पर आपको एक बार जरूर ट्रेवल करना चाहिए। जी हां, भारत में कुछ ऐसी जगह हैं जो इतनी सुंदर हैं कि केवल एक ट्रेन यात्रा ही उन नजारों के साथ जस्टिस कर सकती है। तो जानते हैं कुछ ऐसे ट्रेन रूट के बारे में-

पठानकोट-जोगिन्दर नगर

कांगड़ा घाटी रेलवे द्वारा लिया गया यह रूट सबसे कम जाना जाने वाले रूट में से एक है। यह 1929 में बनाया गया था और पहाड़ों, इलाकों और जंगलों से होकर गुजरता है। यह रेल मार्ग धौलाधार पहाड़ों की श्रृंखला का नजारा दिखाता है और वह नजारे शब्दों से परे है। बर्फ से ढके पहाड़, पेड़, घना कोहरा खूबसूरत नजारे देखने को मिलेंगे।

हुबली-मडगांव

अगर आप जल्द ट्रेवल की प्लानिंग बना रहे हैं तो आपको वास्को डी गामा रूट नामक इस रूट को कम से कम एक बार आपको जरूर देखें। यह ट्रेन दूधसागर वॉटरफॉल के सामने चलती है, जो अपने यात्रियों को एक ऐसा नजारा दिखाती है जो बेहद खूबसूरत है। जब आप अपनी ट्रेन की सीट पर बैठते हैं और सबसे मंत्रमुग्ध कर देने वाले नजारे का आनंद लेते हैं, तो आपके ठीक सामने दूध के समान सफेद झरने पूरी ताकत से बहते हैं। यह रास्ता आपको मदहोश कर देगा।

जैसलमेर-जोधपुर

अगर आप राजस्थान ट्रेवल पर हैं तो जैसलमेर से जोधपुर पहुंचने के लिए ट्रेन लें। ट्रेन दिल्ली जैसलमेर एक्सप्रेस है और छह घंटे के इस विशेष रूट को डेजर्ट क्वीन कहा जाता है। यहां आपको रेत के टीले, ऊंट, पीली मिट्टी के खूबसूरत नजारे देखने को मिलते हैं। यह ट्रेन रूट किसी डेजर्ट सफारी से कम नहीं लगेगा।

मंडपम- रामेश्वरम

यह रूट काफी ज्यादा थ्रिलिंग है क्योंकि ट्रेन पाक स्ट्रेट के ऊपर से गुजरती है जो भारत का दूसरा सबसे बड़ा पुल है। ट्रेन नीले समुद्र के पानी के ऊपर से जाती है जो आपको शांति का एहसास कराती है। हालांकि ये रूट एक घंटे का ही है, आप इसकी सुंदरता को देखते ही खो जाएंगे।

सकलेशपुर-सुब्रमण्य

यह रेल रूट प्राकृतिक आई कैंडीज का एक पूरा पैकेज है। हरे भरे जंगल, पहाड़ी इलाके, खूबसूरत चट्टानें, कॉफी के बागान, झरने, पहाड़, पुल, इस रूट में है। इस रूट पर ट्रेन से सफर करना जिंदगी भर का अनुभव बनाने वाला है।

ये हैं इंडिया की फेमस मार्केट्स

भारत में घूमने के लिए बहुत कुछ है। फेमस म्यूजियम, फोर्ट, किले और बाजार हैं। यहां कई सारी अनोखी और फेमस मार्केट्स हैं जिनके बारे में जानने के बाद आप जब भी इन मार्केट्स के आसपास ट्रेवल करेंगी तो यहां घूमने तो जरूर जाएंगी। ऐसे में जानते हैं कुछ ऐसी मार्केट्स के बारे में जहां आपको एक न एक बार जरूर जाना चाहिए।

जौहरी मार्केट, जयपुर

इन दिनों काफी सारे लोग जयपुर जा रहे हैं। ऐसे में आप जयपुर के जौहरी बाजार जरूर जाएं। ये बाजार हवा महल के पास ही है। यहां से आप राजस्थानी सामान खरीद सकते हैं। खूबसूरत पोटली पर्स से लेकर राजस्थानी स्लिंग बैग तक आप यहां से खरीद सकते हैं।

महेन्द्रपुर डायमंड मार्केट, सूरत

महिलाओं को डायमंड जूलरी काफी ज्यादा पसंद होती है। ऐसे में महेन्द्रपुर डायमंड मार्केट में आपको डायमंड सामान्य सामानकी तरह बिकते हुए नजर आ जाएगा। सूरत से आप साड़ी के बाजार में भी जा सकते हैं।

ईमा मार्केट, इम्फाल

इस मार्केट को मदर्स मार्केट भी कहा जाता है। इम्फाल की इस मार्केट में लगभग 30,000 से ज्यादा महिलाएं एक लाइन में बैठती हैं और हाथों से बनी चीजें, जूट की टोकरियां, कपड़े , मछली, किराने का सामान बेचती हैं।

ज्यू टाउन, कोचि

खाना तो हर किसी के घर में बनता है। ऐसे में कोचि किला के ज्यू टाउन मार्केट में मिलने वाले मसालों की खुशबू आपको छोटी-छोटी दुकानों की तरफ खींच लेगी। ये बाजार मसालों के लिए काफी फेमस है।

लाद मार्केट, हैदराबाद

हैदराबाद अपने इंडियन आउटफिट के लिए काफी फेमस है। चारमिनार के पास बसे इस बाजार में चूड़ियां, किमती पत्थर और मोती मिलते हैं। छोटी-छोटी गलियों में फैला ये बाजार घूमने के लिए बेहतरीन है।

दादर फूल मार्केट, मुंबई

फूल हर किसी का मन मोह लेते हैं। ऐसे में मुंबई के कई फेमस बाजारों में से एक है मुंबई का दादर फूल मार्केट। यहां फूलों को देख कर ट्यूरिस्ट का मन खुश हो जाता है। अगर आपको फोटोग्राफी का शौक है तो आपको इस बाजारा में एक बार जरूर जाना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

विदेश सचिव बोले- मिसाइल डिफेंस सिस्टम S-400 की सप्लाई जारी रहेगी, भारत-रूस के बीच 28 समझौते हुए

नई दिल्ली। रूसी राष्ट्रपति व्लादमिर पुतिन सोमवार शाम दिल्ली पहुंचे। हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार और अन्य विषयों पर कुल 28 समझौते हुए। रूस से भारत को मिलने वाली एयर मिसाइल डिफेंस सिस्टम स्-400 की सप्लाई शुरू हो चुकी है और यह आगे भी होती रहेगी। विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने मीडिया से बातचीत में बताया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादमिर पुतिन वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल होने दिल्ली आए। यह इस बात का संकेत है कि वे भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों को कितना महत्व देते हैं। पुतिन देर शाम रूस लौट गए।

दोनों देशों के बीच 28 करार हुए:- श्रृंगला ने बताया कि राष्ट्रपति पुतिन की यात्रा छोटी लेकिन बेहद ही प्रोडक्टिव और महत्वपूर्ण रही। दोनों नेताओं के बीच बेहतरीन बातचीत हुई। इस यात्रा के दौरान 28 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। इनमें व्यापार, ऊर्जा, संस्कृति, बौद्धिक संपदा, जनशक्ति, बैंकिंग में साइबर हमला, अकाउंटेंसी आदि क्षेत्र शामिल हैं। भारत और रूस ने अगले 10 वर्षों के लिए रक्षा क्षेत्र में सहयोग के एक कार्यक्रम पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

तेल और गैस क्षेत्र में भारत करेगा निवेश:- श्रृंगला ने कहा- बातचीत में द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ाने पर प्रमुखता से विचार किया गया। पिछले साल की तुलना में इस साल ट्रेड के बेहतर नतीजे भी आए हैं। दोनों देश आगे इसे और तेजी से बढ़ाने पर सहमत हुए। हमने तेल और गैस क्षेत्र के साथ-साथ पेट्रोकेमिकल सेक्टर में निवेश करने पर विचार किया है। दोनों देशों की भविष्य को लेकर भी कुछ योजनाएं हैं। इसमें जलमार्ग, फर्टीलाइजर, कोकिंग कोल, स्टील, स्किल्ड मैनपावर सेक्टर में लंबे समय तक एक दूसरे का सहयोग भी शामिल है। कोकिंग कोल के क्षेत्र में हमारा सहयोग बेहतर हो सकता है।

दोनों देशों बीच सांस्कृतिक सहयोग महत्वपूर्ण:- श्रृंगला ने बताया कि हम रूस के साथ अपनी बौद्ध से सबंधित मुद्दों पर संबंध गहन करने पर विचार कर रहे हैं। रूस में 15 मिलियन बौद्ध हैं। यह समुदाय तीर्थयात्रा और अन्य कारणों से भारत आने का इच्छुक है। इसलिए दोनों देशों बीच सांस्कृतिक सहयोग महत्वपूर्ण है। दोनों देशों ने वैक्सीन सर्टिफिकेट को लेकर भी चर्चा की।

यूक्रेन में रूसी सैन्य गतिविधियों पर कुछ नहीं कहा:- यूक्रेन में रूस के सैन्य गतिविधियों को लेकर क्या 2+2 मीटिंग में कोई चर्चा हुई है? इस सवाल पर श्रृंगला ने कहा कि जहां तक मुझे लगता है रूस इस पर पहले ही अपनी बात रख चुका है। मुझे नहीं लगता कि इसमें आगे कुछ बात हुई होगी। जहां तक भारत को स्-400 की सप्लाई का सवाल है, ये इस महीने शुरू हो चुका है।

राष्ट्रपति बाइडेन वाले राज्यों में 83 फीसदी टीकाकरण

कोरोना ग्रस्त अमेरिका: ट्रम्प वाले राज्यों में ढाई गुना अधिक मृत्युदर, 60 फीसदी ने टीका नहीं लगवाया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

अमेरिका में कोरोना संक्रमण का राजनीतिक कनेक्शन सामने आया है। डोनाल्ड ट्रम्प को वोट देने वाले रिपब्लिकन राज्यों में 60 फीसदी लोगों ने अब तक कोरोना की वैक्सीन ही नहीं लगवाई है। राष्ट्रपति पद के लिए पिछले चुनावों में डेमोक्रेट जो बाइडेन को बहुमत देने वाले राज्यों में 83 फीसदी लोग अब तक टीका लगावा चुके हैं। इस तरह कोरोना के कारण अमेरिका में होने वाली मौतें ट्रम्प वाले राज्यों यानी रिपब्लिकन स्टेट्स में बाइडेन वाले डेमोक्रेट्स स्टेट्स में लगभग ढाई गुना ज्यादा है। एक रिपोर्ट के अनुसार रिपब्लिकन राज्यों में ज्यादा मृत्युदर और संक्रमण का सबसे बड़ा कारण रिपब्लिकन पार्टी की ओर से टीकाकरण और लॉकडाउन का विरोध है। रिपब्लिकन पार्टी के ज्यादातर समर्थक एंटी वैक्स यानी टीका लगवाने के विरोधी हैं। वे राष्ट्रपति बाइडेन की अनिवार्य टीका नीति के विरोधी हैं।

रिपब्लिकन्स में टीकों को लेकर भ्रांति:- रिपोर्ट के अनुसार रिपब्लिकन समर्थकों में टीकों को लेकर सामाजिक और धार्मिक भ्रांतियां हैं। रिपोर्ट में शामिल सर्वे के मुताबिक 90 फीसदी रिपब्लिकन टीकों को लेकर कम से कम एक भ्रांति से ग्रस्त हैं और इसे वे सही मानते हैं।

टीका नहीं लगवाने वाले डेढ़ लाख लोगों की मौत:- अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसी सीडीसी की रिपोर्ट के अनुसार मई से अब तक टीका नहीं लगवाने वाले लगभग डेढ़ लाख लोगों की मौत हो चुकी है। बेलर यूनिवर्सिटी के प्रो. पीटर होतेज के अनुसार अमेरिका में टीका नहीं लगवाने वाले ज्यादातर लोग रिपब्लिकन समर्थक हैं। काइजर फैमिली फाउंडेशन के अनुसार महामारी के शुरुआती दौर में एफ्रो-अमेरिकन, युवा और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में टीकों के प्रति झिझक थी जो बाद में बहुत कम हो गई लेकिन रिपब्लिकन पार्टी के समर्थकों में ये अब भी बनी हुई है।

नाइजीरिया ने कहा, अफ्रीका के देशों पर ट्रेवल बैन लगाना रंगभेद के समान

स्लोवाकिया- लॉकडाउन को 16 दिसंबर तक बढ़ाए जाने की सिफारिश, कैबिनेट जल्द फैसला करेगी। अभी 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक देश में सख्त लॉकडाउन को लागू किया गया है।

पोलैंड- संक्रमण की बढ़ती संख्या के मद्देनजर प्रधानमंत्री मोराविकी ने सोमवार को नए प्रतिबंधों का ऐलान किया है। पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 13250 नए केस, 25 लोगों की मौत।

अमेरिका- न्यूयॉर्क के मेयर ब्लासियो ने कहा, सभी प्राइवेट कर्मचारियों को टीका अनिवार्य होगा। जबकि 1 जनवरी, 2021 को मेयर पद संभालने वाले एडम्स ने कहा, फैसले की समीक्षा की जाएगी।

चीन- साल के अंत तक 3 से 11 वर्ष के सभी 16 करोड़ बच्चों को कोरोना का टीका लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है

दक्षिण अफ्रीका में 5 गुना तेजी से बढ़ रहा ओमिक्रॉन, हर चौथे सैंपल की रिपोर्ट पॉजिटिव

वाशिंगटन

दक्षिण अफ्रीका में ओमिक्रॉन के मामले 5 गुना तेजी से बढ़ रहे हैं। राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने बताया कि पिछले हफ्ते ओमिक्रॉन के डेली इंफेक्शन 5 गुना तेजी से बढ़े। उन्होंने कहा कि साउथ अफ्रीका में अब कोरोना टेस्ट के एक चौथाई रिजल्ट पॉजिटिव आ रहे हैं। दो हफ्ते पहले ही केवल 2 फीसदी मामले संक्रमित आते थे। दक्षिण अफ्रीका ओमिक्रॉन के चलते कोरोना की चौथी लहर शुरू हो चुकी है। यहां अस्पतालों को ओमिक्रॉन मरीजों के इलाज के हिसाब से तैयार किया जा रहा है।

कोरोना संक्रमितों के मौत की आशंका प्लाज्मा थेरपी से कम नहीं होती

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना मरीजों के इलाज में प्लाज्मा थेरपी के इस्तेमाल को गलत बताया है। ङ्ख॥ह्र के मुताबिक स्टडी से पता चला है कि कोविड संक्रमितों के मौत की आशंका प्लाज्मा थेरपी से कम नहीं होती है। मालूम हो कि भारत में कोरोना की पहली और दूसरी लहर में सैकड़ों कोरोना मरीजों के इलाज में प्लाज्मा थेरपी का इस्तेमाल हुआ। ऐसा दावा किया गया था कि इस थेरपी से मरीज जल्दी रिकवर हो जाते हैं।

रूस में भी ओमिक्रॉन की दस्तक

कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन वैरिएंट ने रूस में भी दस्तक दे दी है। दक्षिण अफ्रीका से लौटे 2 लोग यहां ओमिक्रॉन से संक्रमित मिले हैं। रूस के पब्लिक हेल्थ वॉचडॉग ने बताया कि दक्षिण अफ्रीका से लौटे 10 लोग कोरोना पॉजिटिव मिले, जिनमें 2 में ओमिक्रॉन का संक्रमण मिला है। दोनों को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। ब्रिटेन में ओमिक्रॉन के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। यहां बीते दिन ओमिक्रॉन के 90 नए केस मिले। च में अब इससे संक्रमितों की कुल संख्या 336 हो गई है। इनमें से 64 केस इंग्लैंड, 23 स्कॉटलैंड और 3 वेल्स के हैं।

फ्रांस में नाइट क्लब 4 हफ्ते के लिए बंद होंगे

फ्रांस में कोरोना का संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। इसे देखते हुए यहां नाइट क्लबों को 4 हफ्ते के लिए बंद करने का फैसला लिया गया है। साथ ही स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए सोशल डिस्टेंसिंग का पालन और मास्क लगाने को सख्त कर दिया गया है। फ्रांस में यह भी देखा जा रहा है कि बड़ी संख्या में युवा कोविड-19 से संक्रमित हो रहे हैं। जापान में पहला जापानी नागरिक ओमिक्रॉन वैरिएंट से संक्रमित मिला है। यहां अब ओमिक्रॉन संक्रमितों की कुल संख्या 3 हो गई है। 30 साल का यह जापानी व्यक्ति बुधवार को इटली की यात्रा से लौटा। इसने मॉडर्ना की कोविड वैक्सीन की दोनों डोज ली हैं। दोनों टीके उसे इसी साल अगस्त और जुलाई में लगे थे।

ईरान का डर : 5 खाड़ी देशों के दौरे पर निकले सऊदी क्राउन प्रिंस सलमान, अरब देशों के बीच दूरियां खत्म करने की कोशिश

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

अमेरिका, इजराइल, यूरोप और खाड़ी देशों को ईरान के एटमी ताकत बनने का डर सता रहा है। शायद यही वजह है कि खाड़ी के सबसे ताकतवर देश सऊदी अरब के काउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अरब देशों को ईरान के खिलाफ एकजुट करने के मिशन पर निकल गए हैं। सलमान ओमान,्श्व, बहरीन, कतर और कुवैत जा रहे हैं। पहले चरण में वो ओमान पहुंचेंगे। सलमान की यह विजिट इसलिए भी अहम हो जाती है, क्योंकि पश्चिमी देश ईरान से एटमी डील पर विचार कर रहे हैं। इजराइल और खाड़ी देश इस डील के खिलाफ पहले भी रहे हैं और अब भी हैं।

अचानक बढ़ी हलचल

खाड़ी और खासकर अरब देशों में पिछले दिनों अचानक डिप्लोमैटिक हलचल कुछ तेज होती नजर आ रही है। हाल ही में तुर्की के राष्ट्रपति रिसेप तैयप एर्दोगन ने कतर का दौरा किया था। इसके पहले यूएई के टॉप इंटेलिजेंस अफसरों ने ईरान का दौरा किया था। हालांकि, सऊदी अरब के कुछ अफसरों का कहना है कि अगले महीने गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल की बैठक होने वाली है और सलमान इसी सिलसिले में खाड़ी देशों के दौरे पर गए हैं। कुछ मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक, हालिया एक या दो साल में सऊदी अरब और्श्व के बीच ट्रेड और फॉरेन पॉलिसी के मुद्दे पर मतभेद बढ़े हैं। बहरीन, कुवैत और कतर के मामले में भी यही कहा जात सकता है। सलमान खाड़ी देशों को एकजुट करना चाहते हैं। 'अल जजीरा' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इसमें कोई दो राय नहीं कि अब भी मुस्लिम और खाड़ी देशों में सऊदी अरब जैसा प्रभावशाली देश दूसरा नहीं है और न ही उसके दबदबे को इस क्षेत्र में चैलेंज किया जा सकता।

ऑक्सफोर्ड की प्रोफेसर का दावा:

कोरोना से भी ज्यादा घातक हो सकती हैं भविष्य में आने वाली महामारियां, अभी से तैयारी जरूरी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की वैक्सीनोलॉजी की प्रोफेसर डेम सारा गिल्बर्ट का कहना है कि कोरोना के बाद भविष्य में आने वाली महामारियां और भी ज्यादा खतरनाक हो सकती हैं। गिल्बर्ट ने आगे बताया कि कोरोना के दौरान हमनें जो गलतियां की हैं, उनसे हमें सबक लेकर भविष्य में बेहतर तैयारियों के साथ ऐसी महामारियों से लड़ने के लिए तैयार रहना होगा। दुनिया को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोरोना के दौरान हर सबक को व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए और अगले वायरस के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो।

ओमिक्रॉन पर वैक्सीन का प्रभाव कम

प्रोफेसर सारा गिल्बर्ट ने ये भी चेताया कि कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन पर वैक्सीन का प्रभाव कम हो सकता है। गिल्बर्ट ने ये भी कहा की वैक्सीन के प्रभाव के कम होने की संभावना का मतलब ये नहीं है कि संक्रमण बेहद गंभीर या मौत का कारण बन सकता है। ये वैरिएंट थोड़ा अलग है जिससे हो सकता है कि वैक्सीन से बनने वाली एंटीबॉडी, या दूसरे वैरिएंट के संक्रमण से बनने वाली एंटीबॉडी ओमिक्रॉन के संक्रमण को रोकने में कम प्रभावी हो। लेकिन इसका मतलब ये कतई नहीं है कि वैक्सीन प्रभावी नहीं है।

सावधानी बरतें लोग

ओमिक्रॉन वैरिएंट के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि इसके स्पाइक प्रोटीन में म्यूटेशन है जो वायरस के संक्रमण को बढ़ाने का काम करता है। गिल्बर्ट ने कहा कि जब तक इस नए वैरिएंट को लेकर और भी जानकारी सामने ना आ जाए तब तक लोगों को भी सावधान रहने की जरूरत है।

कौन हैं सारा गिल्बर्ट

सारा गिल्बर्ट ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की वैक्सीनोलॉजी डिपार्टमेंट की प्रोफेसर हैं। ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका वैक्सीन बनाने वाले ग्रुप की एक मेंबर भी रही हैं। उन्होंने कहा कि यह आखिरी बार नहीं है जब कोई वायरस हमारे जीवन के लिए खतरा बना है। सच्चाई यह है कि आने वाला समय और भी बदतर हो सकता है।

ब्रिटेन में एक दिन में 50 फीसदी से ज्यादा बढ़ी नए पीड़ितों की संख्या

ब्रिटेन में रविवार को ओमिक्रॉन के 86 नए केस मिले। च में अब कुल पीड़ितों की संख्या 246 हो गई है। शनिवार तक यहां 160 केस थे, यानी एक दिन में ओमिक्रॉन के मामलों में 50 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। बीते दिन च में कोविड-19 के 43,992 नए केस मिले। यहां अब तक 1.04 करोड़ लोग संक्रमित हो चुके हैं।

नई दिल्ली में अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में भाजपा संसदीय दल की बैठक के दौरान 15 नवंबर को %जनजातीय गौरव दिवस% के रूप में घोषित किए जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन किया गया।

52,500 करोड़ रुपए की कंपनी के सीईओ का फरमान

डिजिटल कंपनी के सीईओ ने जूम कॉल पर ही 900 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

अमेरिकी डिजिटल कंपनी बेटर डॉट कॉम के सीईओ विशाल गर्ग ने पिछले हफ्ते जूम कॉल में अमेरिका और भारत में कार्यरत 900 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। अमेरिका में हॉलिडे सीजन शुरू होने से पहले कंपनी उठाए गए इस कदम की आलोचना हो रही है। 43 वर्षीय सीईओ विशाल ने बुधवार को जूम कॉल के दौरान कर्मचारियों से कहा- 'अगर आप इस कॉल से जुड़े हैं तो आप उस बदकिस्तम ग्रुप के सदस्य हैं, जिसकी छंटनी की जा रही है। आपकी सेवा को तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाता है। अब बाजार बदल गया है। 52,500 करोड़ रुपए की कंपनी को संकट से उबारने के लिए बड़ी संख्या में कर्मचारियों की कटौती की जरूरत है। मैं पहले भी इतना कठोर निर्णय ले चुका हूं। तब मैं खूब रोया था, लेकिन अब ऐसा नहीं करूंगा क्योंकि यह कंपनी को बचाने के लिए जरूरी है।' कंपनी में नस्लभेद और लिंगभेद के मामलों को सुलझाने वाली टीम के सदस्यों को भी छंटनी में शामिल किया गया है। अमेरिका में निकाल गए कर्मचारियों को 4 हफ्तों का सेवरेंस, एक महीने के पूरे बेनिफिट और दो महीनों का कवर-अप मिलेगा, जिसके लिए हम प्रीमियम का भुगतान करेंगे। कर्मचारियों को बेनिफिट से जुड़ी डिटेल को लेकर एचआर की तरफ से मेल किया जाएगा। गर्ग ने कर्मचारियों को निकालने के लिए पहले तो कहा कि उनका प्रोडक्शन कुछ नहीं है। फिर कहा कि आप लोग केवल दो घंटे काम करते हैं। इससे पहले फोर्ब्स की रिपोर्ट में कहा गया था कि 2020 में गर्ग ने कर्मचारियों पर आलसी होने का आरोप लगाया था। डेली बीस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक विशाल ने एक बार अपने पार्टनर को ही जिंदा जलाने की धमकी दे डाली थी।

मुंबई में सुबह-सुबह कोहरा छाते ही मछुआरे अरब सागर में अपनी नाव चलाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

64वीं राष्ट्रीय रायफल शूटिंग चैम्पियनशिप-2021

मप्र राज्य शूटिंग अकादमी के खिलाड़ियों ने 3 स्वर्ण, 4 रजत और 3 कांस्य सहित जीते 10 पदक

भोपाल। खेल और युवा कल्याण मंत्री मान.यशोधरा राजे सिंधिया ने प्रतियोगिता में अब तक 32 पदक अर्जित करने पर खिलाड़ियों को दी बधाई मध्यप्रदेश शूटिंग अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 64वीं राष्ट्रीय रायफल शूटिंग चैम्पियनशिप–2021 में सोमवार को 50 मीटर थ्री पोजीशन में 3 स्वर्ण, 4 रजत और 3 कांस्य पदकों सहित कुल 10 पदक अपने नाम कर लिए। उल्लेखनीय है कि मप्र के खिलाड़ियों ने अब तक इस चैंपियनशिप में कुल 32 पदक अपने नाम कर लिए हैं। खेल और युवा कल्याण मंत्री मान. यशोधरा राजे सिंधिया ने पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है। मैडल सेरेमनी में प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक एवं संचालक सीबीआई श्री ऋषि कुमार शुक्ला, डीआरएम भोपाल श्री सौरभ बंदोपाध्याय, सीनियर डिवीजनल इंजीनियर एवं स्पोर्ट्स ऑफिसर श्री गौरव मिश्रा तथा एडीआरएम भोपाल श्री गौरव सिंह ने पदक विजेता खिलाड़ियों को पदक प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर संचालक खेल और युवा कल्याण श्री रवि कुमार गुप्ता भी मौजूद रहे। 64वीं राष्ट्रीय रायफल शूटिंग चैम्पियनशिप–2021 का आयोजन खेल और युवा

कल्याण विभाग एवं भारतीय राष्ट्रीय रायफल संघ के संयुक्त तत्वावधान में मप्र शूटिंग अकादमी बिसनखेड़ी में 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक किया जा रहा है। मप्र के लिए 50 मीटर रायफल थ्री पोजीशन जूनियर महिला टीम आशी चौकसे, मानसी सुधीर, बांधवी सिंह ने 3479 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। दिन का दूसरा स्वर्ण 50 मीटर रायफल थ्री पोजीशन महिला टीम सिविलियन में मप्र की मानसी सुधीर, सृष्टि मिश्रा, बांधवी सिंह की टीम ने 3475 अंकों के साथ जीता। वहीं, तीसरा स्वर्ण 50 मीटर रायफल थ्री पोजीशन जूनियर महिला टीम सिविलियन में आशी चौकसे, मानसी सुधीर, बांधवी सिंह की टीम ने 3479 अंकों के साथ अपने नाम किया। 50 मीटर रायफल थ्री पोजीशन महिला में मप्र की मानसी सुधीर सिंह कठैत ने 453.5 अंकों के साथ रजत पदक जीता। 50 मीटर रायफल थ्री पोजीशन महिला टीम में मप्र की मानसी सुधीर, सृष्टि मिश्रा, सुनिधि चौहान ने 3472 अंकों के साथ रजत दिलाया।

एशेज सीरीज से पहले इंग्लैंड को झटका:स्टार गेंदबाज जेम्स एंडरसन चोट की वहज पहले टेस्ट से बाहर; स्टुअर्ट ब्रॉड के खेलने पर भी संशय

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच एशेज सीरीज के शुरू होने से पहले ही इंग्लैंड टीम को झटका लगा है। स्टार गेंदबाज जेम्स एंडरसन पहले टेस्ट में नहीं खेलेंगे। वहीं स्टुअर्ट ब्रॉड के खेलने पर भी संशय है। हालांकि, इंग्लैंड ने अभी प्लेइंग इलेवन की घोषणा नहीं की है, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर चुका है।

एंडरसन को पिंडलियों की चोट

जेम्स एंडरसन को पिंडलियों में दर्द है। इसकी वजह से वह पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं। इंग्लिश मैनेजमेंट 39 वर्षीय गेंदबाज को लेकर कोई रिस्क नहीं लेना चाहती। एंडरसन इंजरी के चलते पिछली एशेज सीरीज में भी शुरूआती चार ओवर डालने के बाद बाहर हो गए थे। इंग्लैंड चाहेगा कि एंडरसन दूसरे टेस्ट में पूरी तरह फिट होकर प्लेइंग 11 में वापसी कर सकें।

क्रिस वोक्स को किया जा सकता है शामिल

जेम्स एंडरसन की जगह क्रिस वोक्स को पहले टेस्ट में मौका मिल सकता है। उनके अलावा मार्क वुड और ओली रॉबिन्सन को प्लेइंग 11 में जगह दी जा सकती है।

स्टुअर्ट ब्रॉड पर भी संशय

स्टुअर्ट ब्रॉड को लेकर भी संशय है कि वह पहले टेस्ट में खेलेंगे या नहीं। स्टुअर्ट ब्रॉड इंजरी के कारण अगस्त से ही क्रिकेट से दूर थे। बारिश से प्रभावित वार्म–अप मैच में वह अधिक अभ्यास नहीं कर पाए। अगर ड नहीं खेल पाते हैं तो स्पिनर गेंदबाज जेक लीच को टीम में खिलाया जा सकता है।

एंडरसन ने टेस्ट क्रिकेट में लिए हैं 632 विकेट

39 साल के जेम्स एंडरसन सबसे ज्यादा टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले चौथे खिलाड़ी हैं। एंडरसन ने 166 टेस्ट में 632 विकेट अपने नाम किए हैं। वह भारत के खिलाफ शानदार फॉर्म में नजर आए थे। ऐसे में पहले टेस्ट से एंडरसन का बाहर होना, इंग्लैंड के लिए बड़ा झटका है।

न्यूजीलैंड पर जीत के बाद विराट बोल-:कोहली बोले-

भारतीय क्रिकेट का स्तर ऊंचा रहे; युवा खिलाड़ियों ने किया शानदार प्रदर्शन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारतीय कप्तान विराट कोहली ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि भारतीय क्रिकेट का स्तर ऊंचा रहे। यह जारी है और उम्मीद है कि आगे भी रहेगा। कोहली ने दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड से जीत के बाद कहा, %भारतीय क्रिकेट का स्तर हमेशा ऊंचा रहना चाहिए, चाहे कोई भी खेले। वर्तमान में हमारे पास युवा खिलाड़ियों की अच्छी फौज है। ऐसे में युवा जब देश के लिए खेलें तो उनके अंदर भी ऐसी मानसिकता होनी चाहिए। विराट ने युवा खिलाड़ियों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि मोहम्मद सिराज, अक्षर पटेल और मयंक अग्रवाल ने सीनियर खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में शानदार प्रदर्शन किया और विपरीत परिस्थितियों में शानदार खेले। कोहली ने कहा कि मयंक ने गजब का खेल दिखाया। ऐसे महत्वपूर्ण समय में आपको दमदार प्रदर्शन करना होता है और उन्होंने ऐसा किया है। उम्मीद है कि वह अब निरंतर ऐसा करते रहेंगे। वहीं सिराज के बारे में कहा कि उनके पास प्रतिभा और कौशल दोनों है। वह अपने हर स्पेल में एक ही ऊर्जा के साथ गेंदबाज़ी करते हैं। ऐसा लगता है कि वह अपने हर स्पेल में एक या दो विकेट निकाल सकते हैं। वहीं अक्षर पटेल एक हरफनमौला खिलाड़ी हैं, जो टीम में संतुलन लाते हैं। वह टी20 क्रिकेट में पहले से कामयाब थे और जब उन्हें टेस्ट में मौका मिला तो उन्होंने वहां भी कमाल दिखाया। वह फॉर्मेट के अनुसार ही अपने खेल में परिवर्तन भी लाते हैं, जो कि एक बेहतरीन खिलाड़ी की निशानी है।

कोहली ने कहा कि यह साल शानदार रहा

कोहली ने कहा कि यह साल हमारे लिए शानदार रहा। हमें टी–20 वर्ल्ड कप और टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में हमें हार का सामना करना पड़ा। इन दोनों को छोड़ दिया जाए, तो हम इंग्लैंड में दो टेस्ट जीते। हम घर में शानदार खेले। भारतीय टीम से उम्मीद है कि 12 महीनों में सब कुछ जीते लें, तो यह संभव नहीं है। एक टीम के तौर पर हम जानते हैं कि हमें किन क्षेत्रों में सुधार करने की जरूरत है और हम कैसे सही दिशा में जा सकते हैं।

भारत ने 372 रनों से हराया

टीम इंडिया ने दूसरे टेस्ट में सबसे बड़ी जीत हासिल करते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज अपने नाम कर ली। मुंबई टेस्ट में इंडिया ने न्यूजीलैंड को 372 रनों से हराया। रनों के लिहाज से इंडिया की ये सबसे बड़ी जीत है। इस टेस्ट के मैन ऑफ द मैच रहे मयंक अग्रवाल, जिन्होंने पहली पारी में 150 और दूसरी पारी में 62 रन बनाए। मैन ऑफ द सीरीज आर अश्विन को चुना गया, जिन्होंने 14 विकेट लिए और 70 रन बनाए।

रहाणे को फिर मिल सकता है मौका

विदेशी पिचों पर खतरनाक हो जाते हैं अजिंक्य

साउथ अफ्रीका के खिलाफ जमकर चला है उनका बल्ला

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टेस्ट टीम में टीम इंडिया के उपकप्तान अजिंक्य रहाणे का प्रदर्शन पिछले एक साल से कुछ खास नहीं रहा है। उन्होंने 2021 में 12 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान उनका औसत सिर्फ 19.75 का रहा है। उनके बल्ले से एक भी शतक नहीं निकला है। वहीं, उन्होंने सिर्फ 411 रन बनाए हैं। ऐसे में क्या रहाणे को साउथ अफ्रीका दौरे पर टीम इंडिया का हिस्सा होना चाहिए? आइए हम आपको बताते हैं।

साउथ अफ्रीका में रहाणे का रहा है शानदार प्रदर्शन

रहाणे ने साउथ अफ्रीका में 3 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान इस खिलाड़ी के बल्ले से 266 रन निकले हैं। उनका औसत 53.20 का है। 3 टेस्ट में इस खिलाड़ी ने दो अर्धशतक जड़े हैं। उनका सर्वाधिक स्कोर 96 रन है। अगर ओवरऑल साउथ अफ्रीका के खिलाफ रहाणे का प्रदर्शन देखें तो वो भी कमाल का है। रहाणे ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 10 टेस्ट मैच में 57.33 के औसत से 748 रन बनाए हैं। इन मैचों में रहाणे के बल्ले से 3 शतक और 3 अर्धशतक निकले हैं। अजिंक्य रहाणे ने भारतीय सरजमीं पर 32 टेस्ट मैच खेले हैं।

ऑस्ट्रेलिया के नए विकेटकीपर एलेक्स कैरी, ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में पहले एशेज क्रिकेट टेस्ट से पहले गाबा में अपने प्रशिक्षण सत्र के दौरान डेविड वार्नर की बल्लेबाजी के साथ गेंद को पकड़ते हैं।

SUPER HERO
यदि आप
किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।
हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।
Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com
PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

गुरु द्रविड़ के नक्शेकदम पर टीम इंडिया:अच्छी पिच बनने पर जताई खुशी, ग्राउंड्समैन और पिच क्यूरेटर को दिए 35 हजार रुपए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टीम इंडिया के नए कोच राहुल द्रविड़ ने कानपुर टेस्ट मैच के दौरान पिच क्यूरेटर और ग्राउंड्समैन को अच्छी पिच बनाने के लिए 35 हजार रुपए दिए थे। अब मुंबई टेस्ट में ऐतिहासिक जीत के बाद कोहली की कप्तानी वाली टीम इंडिया ने इस परंपरा को आगे बढ़ाया है। भारतीय टीम ने वानखेड़े टेस्ट मैच में शानदार जीत दर्ज करने के बाद पिच क्यूरेटर और ग्राउंड्समैन को 35 हजार रुपए की आर्थिक मदद दी। कानपुर टेस्ट मैच पांच दिन तक चला था। वहीं, मुंबई टेस्ट भी चार दिन तक चला।

कानपुर की पिच पर द्रविड़ ने पहले उठाए थे सवाल, फिर दिए 35 हजार

भारतीय टीम के कोच राहुल द्रविड़ जिस दिन ग्रीन पार्क स्टेडियम में विकेट देखने कप्तान रहाणे के साथ पहुंचे थे, तब उन्होंने विकेट को लेकर सवाल उठाए थे। उन्होंने बीसीसीआई और लोकल क्यूरेटर को पिच पर काम करने के लिए कहा था। जब टेस्ट मैच पांच दिन तक चला तो द्रविड़ ने पिच क्यूरेटर शिव कुमार और उनकी टीम को 35 हजार रुपए का ईनाम दिया।

मुंबई टेस्ट में शानदार जीत

टीम इंडिया ने मुंबई टेस्ट में सबसे बड़ी जीत हासिल करते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज अपने नाम कर ली। मुंबई टेस्ट में इंडिया ने न्यूजीलैंड को 372 रनों से हराया। रनों के लिहाज से इंडिया की ये सबसे बड़ी जीत है। इस टेस्ट के मैन ऑफ द मैच रहे मयंक अग्रवाल, जिन्होंने पहली पारी में 150 और दूसरी पारी में 62 रन बनाए। मैन ऑफ द सीरीज आर अश्विन को चुना गया, जिन्होंने 14 विकेट लिए और 70 रन बनाए। ये द्रविड़ और कोहली की एक साथ पहली सीरीज थी।

न्यूज ब्रीफ

वेदांत का रिटेल फ्लोर स्पेस दोगुना करने का इरादा

नई दिल्ली। मान्यवर, मोहे और मेबाज जैसे ब्रांड का स्वामित्व रखने वाली वेदांत फैशंस की योजना अगले कुछ वर्षों में रिटेल फ्लोर स्पेस दोगुना कर 20लाख वर्ग फुट करने की है। वेदांत फैशंस के प्रमुख (रिटेल बिजनेस डेवलपमेंट ऐंड प्रोजेक्ट्स) आरिफ रजा ने कहा, हमारे पास अभी 11 लाख वर्गफुट जगह है और अगले कुछ वर्षों में हमारा लक्ष्य इसे बढ़ाकर 20 लाख वर्गफुट करने का है। कंपनी के ज्यादातर एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट का परिचालन फ्रैंचाइजी के जरिए होता है। कंपनी की तरफ से सेबी के पास जमा कराए गए विवरणिका के मसौदे में कहा गया है कि 30 जून, 2021 को उसके 300 से ज्यादा फ्रैंचाइजी और 537 एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट्स थे, जो 207 भारतीय शहरों व आठ वैश्विक शहरों में करीब 11 लाख वर्गफुट में फैले हुए हैं। वित्त वर्ष 2020-21 में 90.14 फीसदी बिक्री फ्रैंचाइजी स्वामित्व वाले एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट्स में हुई। इसके अतिरिक्त वेदांत की 60 फीसदी खुदरा रिटेल स्पेस टियर-2 व टियर-3 शहरों में है, वहीं बाकी टियर-1 शहरों में। रजा ने कहा, आने वाले समय में भी कंपनी टियर-1 व छोटे शहरों के बीच खुदरा एरिया में 60-40 का अनुपात बनाए रखने की कोशिश करेगी। अगले साल कंपनी की योजना 100 से ज्यादा और स्टोर जोड़ने की है। रजा ने कहा, पिछले एक साल में हमने 65 स्टोर खोले। लेकिन हर समान्य वर्ष में हमारा इरादा 100 से ज्यादा स्टोर खोलने का है। अगले साल हमारा बजट 100 से ज्यादा स्टोर खोलने के लिए है। ज्यादातर कंपनियों व श्रेणियों में छोटे शहरों ने महामारी के दौरान बेहतर काम किया। रजा ने कहा, पूरे अवरोध ने हमें सिखाया कि छोटे शहरों में क्षमता है और हमारा ब्रांड स्वीकार्य है। टियर-1 व छोटे शहरों के बीच प्रति वर्गफुट बिक्री अलग-अलग है, लेकिन रजा ने कहा कि छोटे शहरों में लागत भी काफी कम है। ऐसे में यह काम करता है।

स्टरलाइट पावर व ईएसडीएस के आईपीओ को मंजूरी

अनिल अग्रवाल की अगुआई वाली कंपनी स्टरलाइट पावर ट्रांसमिशन और क्लाउड सेवा एवं डेटा सेंटर फर्म ईएसडीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन को सेबी ने आईपीओ लाने की मंजूरी दे दी है। सेबी की वेबसाइट के मुताबिक, बाजार नियामक का निष्कर्ष पत्र स्टरलाइट पावर को दो दिसंबर को मिला जबकि ईएसडीएस को यह पत्र तीन दिसंबर को प्राप्त हुआ। स्टरलाइट पावर का आईपीओ के जरिए 1,250 करोड़ रुपये और ईएसडीएस का 1,200 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य है। कोरोना के मामले बढने पर दिल्ली सरकार ग्रेडेड रिस्पॉन्स ऐक्शन प्लान को लागू कर सकती है। दिल्ली सरकार ने फिलहाल लॉकडाउन लगाने की संभावना से इनकार किया है।

6 साल में लार्ज कैप का अच्छा प्रदर्शनः एक साल के निवेश पर लगता है ज्यादा टैक्स, लंबे समय के लिए करें इन्वेस्ट की प्लानिंग

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अगर आप म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं तो आपको बेहतर फायदे के लिए लंबे समय तक निवेश करते रहना चाहिए। किसी भी निवेश में रातों रात दोगुना का फायदा नहीं होता है। खासकर मल्टीकैप फंड में निवेश कर अच्छा मुनाफा लंबे समय के लिए प्राप्त कर सकते हैं।

एक साल के निवेश पर ज्यादा टैक्स

फाइनेंशियल एडवाइजर सुशील कुमार जैन कहते हैं कि ध्यान रहे निवेश एक साल के भीतर अगर तोड़ना पड़ा तब शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन लगता है। अगर एक वर्ष से ज्यादा निवेश रहता है और उसके बाद जो भी नफा नुकसान होता है, वह लंबे समय के कैपिटल गेन के रूप में होता है। इस फायदा या घाटा को इनकम टैक्स के रिटर्न में बताना होता है। हालांकि निवेशकों के पास अगर मासिक निवेश के लिए रकम नहीं है तो वे एकमुश्त निवेश कर सकते है।

उम्र के आधार पर निवेश करना चाहिए

निवेश कभी भी आपकी उम्र के आधार पर होना चाहिए। हमें चाहिए हम पूरी तरह सेवा देने वाले फाइनेंशियल एडवाइजर से मदद लें और उसके बाद ही निवेश करें। अब डिजिटल इंडिया के युग में कहां और कैसे निवेश करना चाहिए, उसके बारे में सही जानकारी होनी चाहिए। इसका आंकलन करना कठिन होते जा रहा है। क्योंकि हर तरफ कई लुभावने, आकर्षक प्रजेंटेशन के साथ निवेशक को भ्रमित किया जा सकता है। कई वर्षों से निरंतर सेवा देते रहने वाले संस्थान हमेशा अपने निवेशक का पूरा ख्याल रखते हैं।

तीन मार्केट कैप में निवेश का मौका

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड ने एक मल्टीकैप फंड लॉन्च किया है। मार्केट में लार्ज कैप, मिडकैप और स्मॉल कैप जैसे शेयर में यह स्कीम निवेश करती है। यह ह्स्न्ह मंगलवार को बंद होगा। ऐतिहासिक रूप से, अलग-अलग मार्केट कैप सेगमेंट ने विभिन्न समय में एक-दूसरे से बेहतर प्रदर्शन किया है।

6 सालों में लार्ज कैप का अच्छा प्रदर्शन

पिछले 16 वित्तीय वर्षों (वित्त वर्ष 2006-2021) में 6 वर्षों में लार्ज कैप सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला मार्केट कैप सेगमेंट रहा है। वहीं 3 साल तक मिड कैप और सात साल तक स्मॉल कैप ने बेहतर प्रदर्शन किया। हालांकि, ज्यादातर निवेशकों के लिए लार्ज, मिड और स्मॉल कैप में निवेश करना आसान नहीं होता है।

60-75 फीसदी लार्ज और मिड कैप में निवेश

वर्तमान निवेश रणनीति के अनुसार, स्कीम कुल असेट्स का लगभग 60 से 75 फीसदी लार्ज और मिड कैप में निवेश करेगी। इसके अलावा, यह स्मॉल कैप्स में कुल असेट्स का 25 से 40 फीसदी निवेश करेगी। जैन कहते हैं कि इसका फायदा यह है कि आप एक जगह पर निवेश कर 3 सेक्टर का लाभ ले सकते हैं। इस फंड के मुख्य निवेश अधिकारी गोपाल अग्रवाल हैं, जिनके पास 19 सालों का फंड प्रबंधन का अनुभव है। यह स्कीम एक ओपन एंडेड फंड है। जैन के मुताबिक, आप निवेश करने से पहले सोच समझ कर इसका फैसला करें, सही एडवाइजर से सलाह लें। आजकल म्यूचुअल फंड के ढेर सारे एनएफओ आते हैं। लोगों के पास ढेर सारे टिप्स भी आते हैं। ऐसे में आपको अपनी गाढ़ी कमाई को कहीं लगाने से पहले उसके बारे में सोच विचार करना चाहिए।

कोरोना की आर्थिक मारःउत्पादन घटकर एक तिहाई रह गया कर्मचारियों की संख्या में भी 75 फीसदी तक की कमी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कोरोना महामारी से बचाव के लिए देशभर में स्कूल बंद होने से बच्चों की पढ़ाई तो प्रभावित हुई ही है, पेंसिल इंडस्ट्री का बिजनेस भी करीब-करीब चौपट हो गया है। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में औखू को 'पेंसिल विलेज' कहा जाता है, लेकिन बीते डेढ़ साल में यहां पेंसिल की बिक्री 70 फीसदी तक घट गई है। श्रीनगर से 32 किलोमीटर दूर औखू से पेंसिल बनाने में इस्तेमाल होने वाली लकड़ी नटराज, अप्सरा और हिंदुस्तान पेंसिल्स जैसी बड़ी पेंसिल कंपनियों को सप्लाई की जाती है। 180 करोड़ रुपए से अधिक के टर्नओवर वाली यहां की पेंसिल इंडस्ट्री में 18 छोटे-बड़े कारखाने हैं, जहां करीब 3,500 लोगों को रोजगार मिला हुआ है।

3 गुना कम हुआ उत्पादन

औखू की सबसे बड़ी पेंसिल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट जेहलम एग्रो इंडस्ट्रीज के मैनेजर फारूक अहमद कहते हैं, 'महामारी से पहले हम रोजाना 150 से ज्यादा बैग (5-10 हजार पेंसिल) का उत्पादन करते थे। अब उत्पादन 40-45 बैग रह गया है। बिक्री एक तिहाई रह गई है। कोविड से पहले हमारे पास 200 कर्मचारी थे। अब 50 से कम रह गए हैं। इनमें से कुछ स्थानीय हैं और बाकी पश्चिम बंगाल, असम और बिहार के हैं।' इसी तरह, एक अन्य पेंसिल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट बरकत एग्रो इंडस्ट्रीज के मैनेजर ने कहा, 'कोरोना से पहले हमारी फैक्ट्री में 130 कर्मचारी थे। अब इनकी संख्या घटकर 40 रह गई है। उम्मीद है कि देशभर में स्कूल जल्द खुलेंगे और पेंसिल की मांग बढ़ेगी।

पीएम भी कर चुके हैं तारीफ

पिछले साल रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था, 'पुलवामा जिला इस बात का उदाहरण है कि आयात पर देश की निर्भरता कैसे कम की जा सकती है। एक समय हम विदेश से पेंसिल के लिए लकड़ी आयात करते थे, लेकिन अब कश्मीर का पुलवामा जिला देश को पेंसिल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना रहा है।'

स्पेशल जोन बनाएगी सरकार

गृह मंत्रालय की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि औखू गांव को मैन्युफैक्चरिंग के लिहाज से एक 'स्पेशल जोन' के तौर पर विकसित किया जाएगा। यहां के उद्यमियों को उम्मीद है कि इसके बाद उनके बिजनेस की सूरत बदलेगी।

2030 तक 10 अरब डॉलर जुटाएगी मल्टीपल ऐसेट मैनेजमेंट

नई दिल्ली। देसी प्राइवेट इक्विटी कंपनी मल्टीपल ऐसेट मैनेजमेंट साल 2030 तक 10 अरब डॉलर जुटाने का लक्ष्य लेकर चल रही है, जिसमें से 8 अरब डॉलर वह विभिन्न कंपनियों में लगाएगी। इस कंपनी का गठन रेणुका रामनाथ ने किया है। अभी तक पीई कंपनी ने करीब 2 अरब डॉलर जुटाए हैं। रामनाथ की चिंता यह है कि देसी संस्थान मसलन बैंक, बीमा कंपनियां और ईपीएफओ इस परिसंपत्ति वर्ग में रकम लगाने की अनिच्छुक है, लिहाजा उसे मुख्य रूप से विदेशी रकम पर आश्रित होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, यह निर्भरता घटेगी क्योंकि भारतीय फैमिली बिजनेस निवेश आवंटन में इजाफा कर रहा है और इससे विदेशी निवेशकों पर उसकी निर्भरता में थोड़ी कमी लाने में मदद मिल सकती है। अपनी रणनीति के बारे में सीईओ रामनाथ ने कहा, वह काफी महत्वाकांक्षी रही है।

13 दिसंबर से खुलेगा देश की दूसरी सबसे बड़ी फार्मेसी रिटेलर कंपनी मेडप्लस का आईपीओ

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश की दूसरी सबसे बड़ी फार्मेसी रिटेलर कंपनी मेडप्लस हेल्थ सर्विसेज 13 दिसंबर को अपना आईपीओ लॉन्च करेगी। इसका प्राइस बैंड 780-796 रुपए प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। 15 दिसंबर तक इसमें पैसे लगा सकते हैं। एंकर निवेशकों के लिए यह इश्यू 10 दिसंबर को खुलेगा। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसों का इस्तेमाल कंपनी की सब्सिडियरी ऑप्टिवल की वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने लिए किया जाएगा। कंपनी अपने पब्लिक इश्यू के माध्यम से 1,398.29 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बना रही है। इस इश्यू के तहत 600 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी होंगे और शेष 798.30 करोड़ रुपए के शेयर की प्रमोटर व वर्तमान शेयरधारक ऑफर फॉर सेल के तहत बिक्री की जाएगी। इसमें निवेशक कम से कम 18 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके 18 के मल्टीपल में इक्विटी शेयरों के लिए बिड लगा सकते हैं। रिटेल निवेशक एक लॉट के लिए कम से कम 14,328 रुपए और अधिकतम 13 लॉट के लिए 1,86,264 रुपए का निवेश कर सकते हैं। पात्र संस्थागत निवेशकों के लिए 50 फीसदी, 35 फीसदी रिटेल निवेशकों के लिए और बाकी 15 फीसदी गैर संस्थागत निवेशकों के लिए आरक्षित है।

ये निवेशक बेच रहे हैं शेयर

इस OFS के माध्यम से निवेशक PI ऑपरट्यूनिटी फंड - I 623 करोड़ रुपए के और SS फार्मा LLC 107 करोड़ रुपए के शेयर बेचने जा रहे हैं। अन्य में शोर फार्मा एलएलसी, नैटको फार्मा, टाइम कैप फार्मा लैब्स, ए राघव रेड्डी, के प्रकुर्थि, नवदीप पटयाल, संगीता राजू, आर वेंकट रेड्डी, टीके कुरियन, नित्या वेंकटरमानी, अतुल गुप्ता, मनोज जायसवाल, राहुल गर्ग, कोरेनगोडे रामनाथन लक्ष्मीनारायण और बिजॉय कुरियन शामिल हैं, जो OFS के माध्यम से अपने शेयर बेचने जा रहे हैं।

कमाई का अवसरःअब आईपीओ को अंधाधुंध रिस्पांस नहीं मिल रहा, आनंद राठी महज 9 गुना भरा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बाजार की गिरावट ने निवेशकों के सेंटिमेंट को प्रभावित किया है। अभी तक पिछले 18 महीने से करीबन सभी आईपीओ को मिल रहे अंधाधुंध रिस्पांस का दौर अब थम रहा है। आनंद राठी के इश्यू को केवल 9.78 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। इस हफ्ते 4 कंपनियां निवेश का मौका दे रही हैं। आनंद राठी वेल्थ का इश्यू सोमवार को बंद हुआ। इसमें रिटेल ने अपने हिस्से का केवल 7.75 गुना पैसा लगाया है। राकेश झुनझुनवाला के निवेश वाली दूसरी कंपनी बाजार में आ रही है। पिछले हफ्ते ही स्टार अलाइड हेल्थ बंद हुई थी। इसमें भी झुनझुनवाला का निवेश था। हालात यह हुआ कि कंपनी का इश्यू केवल 79 फीसदी ही भर पाया।

मेट्रो का इश्यू 10 से खुलेगा

मेट्रो ब्रांड का इश्यू 10 दिसंबर से खुलेगा और 14 को बंद होगा। इसमें झुनझुनवाला का निवेश है। प्राइस बैंड 485 से 500 रुपए है। मेट्रो ब्रांड ने अपना पहला स्टोर मुंबई में 1955 में खोला था। अब इसके देश भर के 134 शहरों में 586 स्टोर हैं। इसमें से पिछले तीन साल में 211 स्टोर खोले गए हैं। यह कंपनी कैजुअल और फॉर्मल इवेंट्स सहित सभी अवसरों के लिए प्रोडक्ट्स की बिक्री करती है। CE इंफो का इश्यू 9-13 दिसंबर के बीच खुलेगा। कंपनी 1000-1033 रुपए के भाव पर इसे ला रही है। इसके जरिए 1,039 करोड़ रुपए जुटाने की योजना है। जबकि श्रीराम प्रॉपर्टी 600 करोड़ रुपए जुटाएगी। इसने 113 से 118 रुपए का भाव तय किया है। इसका इश्यू बुधवार से खुलेगा और शुक्रवार को बंद होगा। रेटगेन ट्रैवल का इश्यू मंगलवार से गुरुवार तक खुला रहेगा। कंपनी ने 405 से 425 रुपए भाव रखा है। यह बाजार से 1,335 करोड़ रुपए जुटाने के लिए उतरेगी। पिछले हफ्ते तेगा इंडस्ट्रीज के इश्यू को 200 गुना से ज्यादा रिस्पांस मिला था। कंपनी के शेयर्स की लिस्टिंग अगले हफ्ते हो सकती है।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत।

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंक्डइन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।